जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, शुक्रवार 26 जून, 2026

KEDIA सेजस्थान
अजमेर रोड़, जयपुर

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

# मलाल करोगे ?
या
# मालामाल बनोगे ?

NO MIDDLE MEN

5 दिन में 5 लाख रेट बढ़ेगी !

FIXED PRICE

₹4000/- Sq ft में फ्लैट | ₹5200/- Sq ft में कोठी

| PRODUCT TYPE | UNIT TYPE | SIZE | PRESENT RATE | 30 JUNE 2026 | 31 JULY 2026 | 31 AUG. 2026 | 30 SEPT. 2026 | 31 OCT. 2026 | 30 NOV. 2026 | 30 DEC. 2026 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| WALK-UP APARTMENT | 2 BHK (GF) | 1350 Sq Ft | 66 Lacs | 68 Lacs | 70 Lacs | 72 Lacs | 74 Lacs | 76 Lacs | 78 Lacs | 80 Lacs |
| | 3 BHK (SF) | 1900 Sq Ft | 76 Lacs | 78 Lacs | 80 Lacs | 82 Lacs | 84 Lacs | 86 Lacs | 88 Lacs | 90 Lacs |
| | 3 BHK (FF) | 1900 Sq Ft | 82.5 Lacs | 85 Lacs | 87.5 Lacs | 90 Lacs | 92.5 Lacs | 95 Lacs | 97.5 Lacs | 1 Cr |
| KOTHI | 3 BHK BIG | 2000 Sq Ft | 1.075 Cr | 1.10 Cr | 1.125 Cr | 1.15 Cr | 1.175 Cr | 1.20 Cr | 1.225 Cr | 1.25 Cr |
| | 4 BHK BIGGER | 2325 Sq Ft | 1.29 Cr | 1.32 Cr | 1.35 Cr | 1.38 Cr | 1.41 Cr | 1.44 Cr | 1.47 Cr | 1.50 Cr |
| | 4 BHK BIGGEST | 3200 Sq Ft | 1.65 Cr | 1.70 Cr | 1.75 Cr | 1.80 Cr | 1.85 Cr | 1.90 Cr | 1.95 Cr | 2 Cr |

KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737
info@kedia.com
www.kedia.com
SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH
*T&C Apply

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™
Pavitra

FIXED PRICE

# भारत का असली
# Social Media

चाय प्रेमियों के लिए खास ब्लेन्ड

STRONG GOLDEN LIQUOR | SILIGURI'S FINEST TEA BLEND | RICH & BOLD AROMA

केडिया पवित्र टीम को अपनी दुकान में बुलाने के लिये
या अपनी नजदीकी दुकान तक केडिया पवित्र उपलब्ध करवाने के लिए
अपनी गूगल लोकेशन 90704-90704 पर WhatsApp करें या 1800-120-2727 पर कॉल करें।
हमारी टीम 24 घंटे के भीतर प्रोडक्ट्स की डिलीवरी एवं उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।

अगर आप किसी भी FMCG कंपनी के डिस्ट्रीब्यूटर के यहाँ सेल्समैन हैं
तो डायरेक्ट केडिया पवित्र में जॉब हेतु आवेदन करें:
Email ID : bdm@kediapavitra.com | Call : +91 90704-90704

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply*
MRP ₹ Incl. of all taxes

## विचार बिन्दु

**स्मृति पीछे दृष्टि डालती है और आशा आगे। –रामचंद्र टंडन**

# राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं की नैतिकता संकट में

राजस्थान में चिकित्सा तंत्र आज घोर संकट की तस्वीर पेश कर रहा है, और विशेषकर राजधानी जयपुर भी इससे अनछुआ नहीं हैं। हाल के खुलासों, मीडिया रिपोर्टों और शोधों ने यह प्रमाणित किया है कि जहाँ चिकित्सा का मूल उद्देश्य रोगी की भलाई होना चाहिए, वहीं कहीं-कहीं इलाज का लक्ष्य लाभ बन गया है। बड़े निजी अस्पतालों में अनावश्यक भर्ती, जांच और ऑपरेशनों की बढ़ती प्रवृत्ति, बीमा घोटाले, दवा उद्योग तथा चिकित्सकों के बीच सांठ-गाठ और अंग-तस्करी जैसी वीभत्स घटनाएँ रोगी-हित की हिफ़ाज़त करने वाली व्यवस्था की मौलिक कमजोरियों को उजागर करती हैं। राजस्थान के ग्रामीण व शहरी दोनों हिस्सों में यह संकट अलग-अलग रूपों में उभर रहा है और जयपुर, जहाँ चिकित्सा सुविधाओं का केंद्र है, इन समस्याओं के सामने एक सूक्ष्म लेकिन निर्णायक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

अस्पतालों में होने वाले ऑपरेशनों की असामान्य रूप से ऊँची सूचियाँ जैसे हायस्टेरेक्टॉमी, सी-सेक्शन, हृदय सर्जरी और अर्थ्रोप्लास्टी केवल चिकित्सकीय प्रवृत्ति का मामला नहीं हैं; यह उस व्यवस्था का संकेत हैं जिसमें आर्थिक प्रोत्साहन चिकित्सकीय निर्णयों में घुस आते हैं। जयपुर जैसे महानगरों में उच्च-प्रोफाइल निजी संस्थान और कुछ वरिष्ठ चिकित्सक जिनकी पारिश्रमिकें कई गुना होती हैं, का प्रभाव निर्णय-प्रक्रिया पर दिखाई देता है। राजधानी के पास उपलब्ध विशेषज्ञता और उन्नत सुविधाएँ ग्रामीण मरीजों को आकर्षित करती हैं, पर साथ ही अनावश्यक प्रक्रियाओं का जोखिम भी बढ़ जाता है-क्योंकि दूर-दराज के लोग मामूली बीमारी के लिए बड़े शहर आकर विशेषज्ञों पर निर्भर हो जाते हैं और अक्सर उनके पास विकल्पों की कमी रहती है।

बीमा प्रणाली, जो मूलतः आर्थिक सुरक्षा और चिकित्सा तक पहुँच का जरिया है, कई मामलों में भरोसे के संकट में बदल चुकी है। जयपुर के कुछ केसों में क्लेम अस्वीकार किए जाने, प्रक्रियागत बाधाओं और विवादित बिलिंग के आरोप सामने आए हैं, जिनसे लोगों का विश्वास मंझला हुआ है। कोविड-19 के समय में देशव्यापी जैसे कुछ आरोपों ने यह दिखाया कि आपातकालीन परिस्थितियों में भी पारदर्शिता लचीली हो सकती है। राजधानी के आस-पास के जिलों से आई शिकायतें इस बात का संकेत हैं कि बीमा और निजी अस्पताल के बीच के व्यवहार ने विशेषकर मध्यम आय वर्ग और गरीब रोगियों की बचत पर चोट की है।

लैब व डायग्नोस्टिक रिपोर्टों की विश्वसनीयता पर उठते सवाल और कुछ पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं के खतरनाक खेल ने चिकित्सा विज्ञान के आधार को भी हिला दिया है। जयपुर में किए गए कुछ छापे और जांचें इस ओर इशारा करती हैं कि नकदी लेनदेन और अनियमित रिपोर्टिंग जैसी प्रथाएँ मौजूद रही हैं। जब परीक्षण ही संदिग्ध हों तो निदान और उपचार दोनों प्रभावित होते हैं। छोटे शहरों व गांवों के मरीज जो जयपुर की लैबों पर भरोसा कर रिपोर्ट बनवाते हैं, वे गलत रिपोर्ट के कारण अनावश्यक दवाइयों और सर्जिकल प्रक्रियाओं के शिकार बन सकते हैं।

फार्मा उद्योग और चिकित्सकीय पेशे के बीच हितों का टकराव भी गंभीर रूप ले चुका है। ब्रांडेड दवाओं के प्रचार और कॉर्पोरेट प्रस्तुतियों के बहाने चिकित्सकीय निर्णयों पर प्रभाव पड़ने की आशंका है। जयपुर की कॉरपोरेट क्लिनिक-हब संस्कृति में, जहां दवा कंपनियों की गतिविधियाँ ज्यादा दिखाई देती हैं, मरीजों को महँगी दवाएँ दी जाने के आरोप उभरते रहे हैं जबकि जेनरिक विकल्प उपलब्ध और प्रभावी होते। अस्पतालों का दवा और उपकरण पर मार्जिन तथा बिलिंग में पारदर्शिता का अभाव राजधानी के मध्यम और निम्न आय वर्ग परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालता है।

सबसे भयावह पक्ष अंग-तस्करी और मानव शोषण के मामले हैं। राजस्थान के सीमांत इलाकों से जुड़े कुछ नेटवर्क ने कभी-कभी जयपुर के अस्पतालों व क्लिनिकों को भी अपने कामकाज के लिए उपयोग किया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि महानगर का चिकित्सा-इकोसिस्टम अपराधी नेटवर्क के संपर्क में आ सकता है। नौकरी या इलाज के नाम पर बहलाकर लाने, फर्जी भर्ती और परीक्षण कराकर अंगों के अवैध व्यापार में डालने जैसे कृत्य केवल कानूनी अपराध ही नहीं, बल्कि समाज की नैतिकता पर चोट हैं। ऐसे मामलों में अस्पतालों, चिकित्सकों और एजेंटों के आपसी नेटवर्क का होना चिंतनीय है और पीड़ित परिवारों की सुरक्षा पर गहरा असर डालता है।

> **पैथोलॉजी और डायग्नोस्टिक लैब्स का प्रमाणन और नियमित निरीक्षण तेज करना होगा। केवल प्रमाणित लैबों को सरकारी या बीमा से जुड़े मामलों की रिपोर्ट करने की अनुमति देनी चाहिए, और अनियमितता पाई जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई व लाइसेंस रद्द करने की व्यवस्था होनी चाहिए। जयपुर में नियमित आकस्मिक निरीक्षण, सैंपल-ऑडिट और नागरिक शिकायत तंत्र प्रभावशीलता बढ़ाने के उपाय हैं।**

नियमों और नियामक संस्थाओं की कमजोरी इन कुप्रथाओं को बढ़ाने का एक बड़ा कारण है। मेडिकल शिक्षा और अस्पतालों के लाइसेंसिंग पर नजर रखने वाली संस्थाएँ, जिनसे मानक और गुणवत्ता की उम्मीद रहती है, कई बार संसाधन की कमी, अनुपालन की लापरवाही या राजनीतिक दबाव के कारण कड़ी निगरानी नहीं कर पातीं। जयपुर में नई निजी मेडिकल क्लिनिक और डायग्नोस्टिक सेंटर्स के त्वरित उदय ने मानकीकरण और नियमित निरीक्षण की आवश्यकता को और बल दिया है। पारदर्शिता की कमी और नियमों का ढीलापन ही उन प्रथाओं को पोषित करता है जो चिकित्सा की मूल नैतिकता को चुनौती देती हैं।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए बहुस्तरीय और तत्काल सुधार आवश्यक हैं। सबसे पहले, चिकित्सा और अस्पतालों के वित्तीय व्यवहार में पारदर्शिता अनिवार्य की जानी चाहिए। डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड को सार्वभौमिक व केंद्रीकृत बनाया जाना चाहिए ताकि हर जांच, इलाज और सर्जरी का रिकॉर्ड टिकाऊ और सार्वजनिक ऑडिट के लिए उपलब्ध रहे। जयपुर में डिजिटल इंटीग्रेशन मॉडल को पूरे राज्य में फैलाया जा सकता है राज्य सरकार और लोक स्वास्थ्य निकायों को इस दिशा में शीघ्र कदम उठाने चाहिए। इससे फर्जी रिपोर्ट, बिना सहमति के सर्जरी और नकली क्लेम की पहचान में मदद मिलेगी।

क्लिनिकल निर्णयों पर बाहरी निगरानी और नियमित क्लिनिकल ऑडिट लागू किया जाना चाहिए। जयपुर जैसे बड़े शहरी केंद्रों में उच्च-जोखिम वाले ऑपरेशनों के लिए स्वतंत्र चिकित्सकीय समितियों से पूर्व अनुमति जैसी प्रक्रियाएँ लागू कर के अनावश्यक सर्जरी घटाई जा सकती हैं। रेफरल और अन्य आर्थिक प्रोत्साहनों की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए और इस तरह के भुगतान के खुलासे पर सख्त सीमाएँ लगनी चाहिए।

पैथोलॉजी और डायग्नोस्टिक लैब्स का प्रमाणन और नियमित निरीक्षण तेज करना होगा। केवल प्रमाणित लैबों को सरकारी या बीमा से जुड़े मामलों की रिपोर्ट करने की अनुमति देनी चाहिए, और अनियमितता पाई जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई व लाइसेंस रद्द करने की व्यवस्था होनी चाहिए। जयपुर में नियमित आकस्मिक निरीक्षण, सैंपल-ऑडिट और नागरिक शिकायत तंत्र प्रभावशीलता बढ़ाने के उपाय हैं।

फार्मा कंपनियों और चिकित्सा पेशे के बीच हित-टकराव पर कड़ा नियंत्रण लागू होना चाहिए। चिकित्सकों को जेनरिक दवाओं को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया जाए और प्रलोभन स्वीकारने वालों पर सख्त दंडात्मक प्रावधान हों। मेडिकल शिक्षा में नैतिकता और पारदर्शिता की अनिवार्य ट्रेनिंग दी जानी चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियाँ पेशेवर ईमानदारी को प्राथमिकता दें। जयपुर के मेडिकल कॉलेज और प्रशिक्षण संस्थान इस पाठ्यक्रम को मॉडल बनाकर पूरे राज्य में प्रसारित कर सकते हैं।

अंग-तस्करी व मानव शोषण के मामलों के लिए त्वरित और विशेष जांच-प्रक्रियाएँ जरूरी हैं। पुलिस-स्वास्थ्य विभाग समन्वय को मजबूत किया जाए और पीड़ितों की सुरक्षा हेतु संवेदनशील हेल्पलाइन व संरक्षण-प्रणालियाँ लागू की जाएँ। भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी व पंजीकृत कराना होगा ताकि रोजगार के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी पर अंकुश लगे। जयपुर में समर्पित कैंपेन और जागरूकता कार्यक्रम निशचित रूप से प्रभावी साबित हो सकते हैं, विशेषकर जब स्थानीय सामाजिक संस्थाएँ और पंचायतें साथ दें।

मरीजों की जागरूकता और शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करना अनिवार्य है। मरीजों को इलाज के विकल्प, अनुमानित लागत, संभावित जोखिम और वैकल्पिक उपचारों की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। प्रभावी नागरिक शिकायत निवारण पैनल जिनमें विशेषज्ञों और नागरिक समाज के प्रतिनिधि हों, तेज़ और निष्पक्ष निर्णय दें। स्वतंत्र मीडिया व जनजागरूकता अभियानों की भूमिका को बढ़ावा देना होगा क्योंकि खबरों और सार्वजनिक खुलासों ने कई कुख्यात प्रकरणों को उजागर किया है। जयपुर के स्थानीय मीडिया और नागरिक मंच इस दिशा में सक्रिय रहकर राज्यव्यापी प्रभाव पैदा कर सकते हैं।

राजस्थान में चिकित्सा तंत्र की गरिमा और समाज का विश्वास तभी बहाल होगा जब नीति-निर्माण, कड़ा नियमन, तकनीकी पारदर्शिता और नैतिकता पर एक साथ जोर दिया जाए। अस्पताल और डॉक्टर सिर्फ बीमारी का उपचारक नहीं, समाज के भरोसे के रखवाले भी हैं। जब तक यह भरोसा लौटकर नहीं आता, तब तक स्वास्थ्य तंत्र में व्यापक रूप से जोखिम बना रहेगा और मरीजों, परिवारों तथा समाज को जो गहरी चोटें आई हैं, उनका पूरी तरह मरम्मत कठिन होगी। समय पर ठोस संवैधानिक व प्रशासनिक सुधार और सार्वजनिक सतर्कता ही इस पतन को रोकने का मार्ग हैं अन्यथा स्वास्थ्य की सुविधा और मानवता दोनों की कीमत चुकानी पड़ेगी।

**–अतिथि संपादक,**
**अविनाश जोशी,**
**वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार**

# बेटा 27 का, बेरोजगार... लड़की वाले मना कर गए!

## कक्षा 10 के बाद कलम के साथ कारीगरी, तभी बसेगा घर

मदन सिंह काला

55 लाख सरकारी कुर्सियाँ खाली हैं। 65 करोड़ युवा भटक रहे हैं क्योंकि उनके पास स्किल नहीं है। 27 साल का बेटा। घर में तनाव। लड़की वाले आए, चाय-नाश्ता करते हुए पूछ लिया 'बेटा करते क्या हो?'। जवाब मिला- ''सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा हूँ सर''। बस रिश्ता यहीं खटाई में पड़ गया। ये कहानी हर गली-मोहल्ले की है।

3 लाख साल पहले अफ्रीका महाद्वीप की इथियोपिया-मोरक्को के भूभाग पर आधुनिक मानव -होमो सेपियंस- के रूप में विकसित हुआ। 2017 में नेचर जर्नल में प्रकाशित शोध के अनुसार मोरक्को के जेबेल इरहूद में मिली 3 लाख साल पुरानी खोपड़ी इसका प्रमाण है। उसका माथा ऊँचा था, ठुड्डी उभरी हुई थी, दिमाग 1350 ग्राम का था। 65 हजार साल पहले उसका एक समूह अरब सागर के किनारे-किनारे चलकर भारतीय उपमहाद्वीप पहुँचा। गुजरात के तट से उतरकर वह पूरे भारत में फैल गया। आज भी 50 से 65 प्रतिशत भारतीयों का डीएनए एक है। मतलब हम सबके पूर्वज एक हैं। फिर जाति-धर्म की दीवार क्यों? ये दीवार 200 साल पहले अंग्रेजों की औद्योगिक जरूरत थी। 1871 की जनगणना में हर आदमी को एक खाने में बंद कर दिया - ''लुहार का बेटा लुहार ही रहेगा''। फैक्ट्री में मशीन महंगी थी, ट्रेनिंग कौन दे? इसलिए ''बाप का काम, बेटे का काम'' का नियम थोप दिया। वो 200 साल की मजबूरी थी, 1000 साल का विश्वास नहीं। आज हाथ में स्किल होगी तो जाति पूछने वाला शर्माएगा। क्योंकि पेट जाति नहीं देखता, पेट रोटी देखता है। और रोटी स्किल से बनती है, जाति से नहीं।

उसी मानव ने अनाज उगाया, गाय पाली। अनाज ज्यादा हुआ तो 'बार्टर' चला - गेहूँ दो, दूध लो। हिसाब बराबर न हो तो झगड़ा हो, इसलिए 600 ईसा पूर्व तुर्की की लिडिया घाटी में पहला सिक्का बना। भारत में 2500 साल पहले मगध के राजा बिम्बिसार-अजातशत्रु के समय पंचमार्क सिक्के चले। इन्हें 'आहत सिक्के' कहते थे क्योंकि चाँदी की पत्ती काटकर हथौड़े से सूर्य, बैल, हाथी के ठप्पे लगाए जाते थे। ये राजा के नाम के सिक्के नहीं थे, व्यापारी संघ और मगध-कौशल जैसी सरकारों ने ढाले। बाद में मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त-अशोक के समय ये सरकारी मुद्रा बने। इसी सिक्के ने व्यापार को जन्म दिया, व्यापार से मण्डी बनी, मण्डी से भट्टी जली और उद्योग खड़े हुए। मानव ने हाथ से मशीन तक की यात्रा की। काम बदला तो समाज बदला, समाज बदला तो रिश्ते बदले। हजारों साल स्त्री चूल्हे-चौके तक सीमित रही क्योंकि काम अलग थे। पुरुष खेत-जंगल, स्त्री घर-आँगन। मिलते ही नहीं थे तो पहचान कैसे होती। इसलिए शादी माँ-बाप, पण्डित, कुण्डली तय करते थे। जाति देखी जाती थी, आचरण नहीं।

फिर औद्योगिक क्रान्ति आई। इंग्लैण्ड की कपड़ा मिल हो या जापान की सिल्क फैक्ट्री, जब लड़का-लड़की 8 घण्टे एक मशीन पर खड़े हुए तो तीन बदलाव हुए। स्त्री के हाथ में तनख्वाह आई तो वह बोझ से सहारा बन गई। उसे 'फलाँ की बेटी' की जगह ''एना - मशीन ऑपरेटर'' कहा जाने लगा। रोज 8 घण्टे साथ काम होगा तो लड़का-लड़की एक-दूसरे का गुस्सा, ईमानदारी, मेहनत देख लेंगे। कुण्डली की जरूरत नहीं पड़ेगी। जर्मनी में आज 40 प्रतिशत शादियाँ ऑफिस-फैक्ट्री में होती हैं। वहाँ कोई नहीं पूछता तुम कौन सी जाति हो, पूछते हैं ''तुम प्रोजेक्ट हैंडल कैसे करते हो?'' यानी काम की जिम्मेदारी कैसे निभाती हो। मतलब साफ है - जब स्त्री-पुरुष साथ काम करेंगे तो जीवनसाथी का चुनाव कुण्डली से नहीं, आचरण से होगा। जाति और दहेज दोनों अपने आप खत्म हो जाएँगे।

**-पाठक से सवालः आपके घर का 18-25 साल का युवा क्या कर रहा है?-**

60 साल से अधिक उम्र के लोग जब विद्यार्थी थे तो माता-पिता के साथ खेत में हल चलाते थे, दुकान पर सामान तोलते थे। सुबह स्कूल जाते थे, शाम को खेत-खलिहान या दुकान पर हाथ बटाते थे। इसी शारीरिक श्रम से उनमें जिम्मेदारी, परिश्रम, समय की कद्र के संस्कार विकसित हुए। 10 साल की उम्र में बैल को चारा डालना, 15 साल में हल चलाना सीख गए थे। इसलिए वह पीढ़ी संघर्ष समझती है, पसीने की कीमत जानती है। आज का युवा कक्षा 10 पास कर निकलता है तो उसने जीवन में कभी एक ईंट नहीं लगाई, कभी 100 रुपये की बिक्री नहीं की। उसे स्किल सीखने का मौका ही नहीं मिला। हाथ से काम नहीं करेगा तो मेहनत की आदत कहाँ से आएगी। इसलिए कक्षा 10 पास करने के बाद पढ़ाई के साथ जीवनयापन युक्त रोजगार देना देशहित में अति आवश्यक है।

यदि युवाओं को कक्षा 10 के बाद पढ़ाई के साथ रोजगार मिल जाए तो संविधान की प्रस्तावना के 'तीनों न्याय' में से आर्थिक न्याय मिलना शुरू हो जाएगा। हमारी संविधान प्रस्तावना कहती है - हम भारत के लोग, भारत को सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतान्त्रिक गणराज्य बनाने के लिए और उसके सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय दिलाने के लिए संकल्पित हैं। अनुच्छेद 41 कहता है राज्य काम पाने का अधिकार सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। जब 18 साल का युवा कक्षा 10 के बाद 20 हजार रुपये कमाने लगेगा तो वह आर्थिक न्याय की पहली सीढ़ी चढ़ जाएगा। बिना रोजगार के प्रस्तावना का 'आर्थिक न्याय' कागज पर ही रह जाएगा।

**55 लाख खाली कुर्सियों का लेखा-जोखा**

केन्द्र-राज्य-सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम-पंचायत में 1.8 करोड़ पद स्वीकृत हैं, पर 55 लाख कुर्सियाँ आज भी खाली पड़ी हैं। फिर भी सरकारी खजाने से 3.5 करोड़ लोग वेतन-पेन्शन उठा रहे हैं - इसमें सेवारत 1.25 करोड़ कर्मचारी, 1 करोड़ पेन्शनर और 1.25 करोड़ ठेका-संविदा-आँगनबाड़ी-आशा कार्यकर्ता जैसे अर्द्धसरकारी लोग शामिल हैं। यानी कुर्सी 1.8 करोड़ की है, पर बोझ 3.5 करोड़ का। 50 प्रतिशत नई भर्ती अब ठेके-अनुबन्ध पर हो रही है, परमानेण्ट नहीं। ठेके पर काम करने वाले युवाओं का शोषण होता है, उन्हें परिवार चलाने का पर्याप्त पैसा नहीं मिलता, न भविष्य की सुरक्षा मिलती है। ये 55 लाख खाली पद अगर कक्षा 10 के बाद "Dual Work System" से भरे जाएँ तो 18 साल का युवा अप्रेण्टिस बनकर 20 हजार कमा लेगा। न वो बेरोजगार कहलाएगा, न सरकार पर पेंशन का बोझ बढ़ेगा। कुर्सी भरेगी, युवा बसेगा, देश बसेगा।

जर्मनी में कक्षा 10 के बाद 70 प्रतिशत बच्चे 'ड्युअल सिस्टम' में चले जाते हैं। सप्ताह में तीन दिन कम्पनी में मशीन चलाते हैं, दो दिन स्कूल जाते हैं। महीने के अन्त में एक लाख रुपये स्टाइपेण्ड लेते हैं। 18 साल का लड़का अपने पैरों पर खड़ा होता है, पीजी यानी किराये का कमरा लेता है, बाइक लेता है। बेरोजगारी 3 प्रतिशत है। स्विट्जरलैण्ड में 60 प्रतिशत युवा 16 साल के बाद बैंक और फैक्ट्री में व्यावसायिक शिक्षा करते हैं। स्टाइपेण्ड सवा लाख रुपये महीना मिलता है। लड़की 20 साल की उम्र में बैंक में 90 हजार कमाती है इसलिए शादी समानता की होती है, समझौते की नहीं। जापान ने 15 साल के बच्चों को टोयोटा प्रोडक्शन सिस्टम सिखाया। इन 25 से ज्यादा देशों का एक मन्त्र है - कक्षा 10 के बाद भटकाव नहीं, स्किल। जर्मनी का 18 साल का लड़का 1 लाख महीना कमाता है। भारत का 27 साल का लड़का 'तैयारी कर रहा हूँ' बोलता है। शर्म किसे आनी चाहिए?

एनसीआरबी का डेटा कहता है 18 से 25 साल के युवाओं की कुल अपराध में भागीदारी 45 प्रतिशत है। क्यों? क्योंकि जर्मनी का युवा 16 से काम कर रहा है, भारत का युवा 18 से 25 तक 'तैयारी कर रहा हूँ' बोलकर खाली बैठा है। खाली दिमाग में शैतानियत का उदय होता है। भारत की धरती में 41.7 अरब टन हाइड्रोकार्बन, 1.23 करोड़ टन लिथियम है। पर तेल का सिर्फ 6-8 प्रतिशत निकल रहा है। हम कच्चा लोहा 40 रुपये किलो बेचकर चीन से स्टील 400 रुपये किलो खरीदते हैं। फर्क सिर्फ गलाने वाले हाथ का है। फैक्ट्रियाँ हैं पर 40 प्रतिशत पद खाली हैं क्योंकि 10वीं पास सीएनसी मशीन नहीं चला पाता। इम्पोर्टर को 10 सेल्समैन चाहिए, मैन्युफैक्चर को 1000 मजदूर। हर साल 6 लाख करोड़ रुपये के हथियार बाहर से मँगाते हैं। एक लड़ाकू विमान 800 करोड़ का। अगर यही हाल हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड एचएएल में बने तो 20 हजार युवा को रोजगार मिले और वही पैसा आइएसआरओ में लगे। जापान ने 1945 के बाद हथियार नहीं बनाए, स्किल बनाई और आज कार बेचता है। हम स्किल नहीं दे रहे इसलिए आज भी खरीद रहे हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बन गया है। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक 13.5 लाख करोड़ रुपये का व्यापार घाटा। मतलब हम दुनिया को कर्ज का कागज देते हैं, बदले में माल लेते हैं।

नतीजा सामने है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। 15 से 35 साल के बीच 65 करोड़ युवा। हर साल 1.8 करोड़ बच्चे कक्षा 10 पास करके निकलते हैं। उनमें से 60 प्रतिशत न कॉलेज जा पाते हैं, न कोई हुनर सीख पाते हैं। 3 साल तक भटकते हैं। 18 साल की उम्र में न डिग्री, न स्किल, न तनख्वाह। छोटे किसान की औसत आय 10,218 रुपये महीना है। युवा खेती को मनरेगा वाला मजदूरी समझता है। उसे पता नहीं कौशाम्बी का किसान ग्रीनहाउस टमाटर से 35 लाख सालाना कमा रहा है। फर्क स्किल का है। युवा 10 साल सरकारी नौकरी का इन्तजार करता है और 18 की उम्र 28 हो जाती है। लड़की वाले ओवरएज कहकर मना कर देते हैं। खाली दिमाग में शैतानियत का उदय होता है इसलिए 18 से 25 साल के युवाओं का अपराध 45 प्रतिशत है। संविधान का अनुच्छेद 21 कहता है सम्मान से जीने का अधिकार, अनुच्छेद 41 कहता है राज्य काम पाने का अधिकार सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। पर बिना रोजगार के न इज्जत है, न रोटी, न रिश्ता। 50 करोड़ युवा रोज 2.5-3 घण्टे रील्स देखते हैं। 1 साल में 1000 घण्टे बर्बाद। उसी 1000 घण्टे में कोई लड़का , कोडिंग, ड्रोन पायलट बन जाता। लघु वीडियो बुरे नहीं हैं। स्विट्जरलैण्ड का युवा दिन में 8 घण्टे स्विस घड़ी बनाता है और रात में 30 मिनट देखता है। हमारा युवा दिन में 8 घण्टे रील्स देखता है और रात में 30 मिनट नौकरी की टेन्शन लेता है। लघु वीडियो बनाने वाला 2 साल बाद बेरोजगार क्रिएटर कहलाता है, सीएनसी चलाने वाला 2 साल बाद स्किल्ड टेक्निशियन कहलाता है। शादी के मण्डप में कौन बैठेगा आप खुद सोचिए। मोबाइल युवा का दुश्मन नहीं, दिशा का दुश्मन है। मोबाइल से लघु वीडियो बनाओ पर लघु वीडियो के लिए मोबाइल मत बनो। हाथ में स्किल होगी तो लघु वीडियो तुम्हें ढूँढेंगे, तुम लघु वीडियो को नहीं।

पर उम्मीद अभी बाकी है क्योंकि दुनिया के महान लोगों ने भी यही रास्ता अपनाया था। महात्मा गांधी लन्दन में बैरिस्टर पढ़ते समय खुद झाड़ू लगाते, जूते पॉलिश करते थे। दोस्त हँसते थे ''मोहन, तू बैरिस्टर बनेगा या मोची?'' गांधी कहते - ''जो हाथ कलम पकड़ेगा, वह हाथ झाड़ू भी पकड़ेगा। श्रम की प्रतिष्ठा सबसे बड़ी प्रतिष्ठा है''। डॉ. कलाम 8 साल की उम्र में अखबार बेचते थे। रतन टाटा कॉर्नेल से पढ़कर लौटे तो 6 महीने जमशेदपुर की भट्ठी के पास लोहा गलवाया। धीरूभाई अम्बानी 14 साल की उम्र में यमन में पेट्रोल पम्प पर अटेण्डेण्ट थे। बराक ओबामा गर्मियों में आइसक्रीम बेचते थे। स्टीव जॉब्स अटारी में रात की शिफ्ट में गेम के बग ढूँढते थे। एलन मस्क 12 साल की उम्र में वीडियो गेम बनाकर बेच दिया। सुन्दर पिचाई पढ़ते समय ट्यूशन पढ़ाकर फीस भरते थे। इन कहानियों की एक सीख है। न कलाम शरमाए कि मैं अखबार वाला हूँ, न गांधी शरमाए कि मैं मोची हूँ। सबने काम को इज्जत दी, इसलिए काम ने उन्हें इज्जत दी। आज भारत का 10वीं पास लड़का आईटीआई में एडमिशन लेते समय शरमा जाता है। अरे भाई, रतन टाटा ने भट्ठी जलाई थी, तुम सीएनसी क्यों नहीं चला सकते।

कबीर का मानव शक्ति के उपयोग के लिए आव्हान आलसी पीढ़ी और सरकार दोनों के लिए हैः -''काल करे सो आज कर, आज करे सो अब। पल में प्रलय होयगी, बहुरि करेगो कब।''- यानी कल नहीं, आज नहीं - अभी। 18 साल का लड़का आईटीआई का फॉर्म कल भरेगा तो 27 साल 'तैयारी' में निकल जाएगा। संविधान का अनुच्छेद 41 कहता है राज्य काम पाने का अधिकार सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। ये प्रयास अब कर्तव्य बनना चाहिए। इसलिए ठर्ल्र्ते ेंदे० एब्रूस्थ को भारत में प्राथमिकता से लागू किया जाए। कक्षा 10 के बाद कलम ह कारीगरी अनिवार्य हो। कबीर का दर्शन अहंकार मिटाने का हैः -''करता था तो डरता था, अब करता हूँ डर नाहिं। जब 'मैं' था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहिं।''- यानी जब तक ''मैं बीए वाला हूँ, छोटा काम है'' का अहंकार है तब तक डर लगा रहेगा। अहंकार मिटे तो 18 साल में ही निर्भय होकर स्किल सीख लेगा। कबीर का कर्म सिद्धांत भी यही कहता हैः -''करता था तो क्यूं रहया, जब करि क्यूं पछिताय। बोये पेड़ बबूल का, अम्ब कहाँ ते खाय।''- यानी स्किल सीखने का समय था तब चुप क्यों बैठा रहा? अब ''नौकरी नहीं मिल रही'' बोलकर पछता क्यों रहा है? बबूल बोया - बीए की डिग्री। आम खाना है तो आम का पेड़ बोओ - आईटीआई, स्किल। तुलसी की चेतावनी भी यही हैः -''सकल पदार्थ है जग मांही, कर्महीन नर पावत नाहीं।''- यानी दुनिया की सारी दौलत यहीं पड़ी है। पर कर्महीन, स्किलहीन आदमी को कुछ नहीं मिलेगा।

इसलिए समाधान एक ही है - कक्षा 10 के बाद कलम के साथ कारीगरी। संविधान के अनुच्छेद 41 के अनुसार "Dual Work System" को प्राथमिकता से लागू किया जाए। सप्ताह में तीन दिन कम्पनी या आईटीआई, दो दिन स्कूल। 18 साल की उम्र में डिप्लोमा और 20-25 हजार रुपये तनख्वाह। फिर क्या बदलेगा? 18 साल का स्किल्ड युवा कमाने लगेगा तो लड़की वाले नौकरी पूछेंगे, बेरोजगार नहीं कहेंगे। दहेज खत्म क्योंकि दोनों कमाने वाले होंगे। फैक्ट्री में लड़का-लड़की साथ सीएनसी चलाएँगे तो 3 साल में एक-दूसरे का आचरण परख लेंगे। कुण्डली फेंक देंगे। युवा मोबाइल असेम्बल करेगा, ड्रोन बनाएगा तो आयात घटेगा और निर्यात बढ़ेगा। इससे 9 बड़े फायदे होंगेः युवा अपराध से बचेगा, जीडीपी 1.5 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ेगी, माता-पिता का बोझ हल्का होगा, कर्जमुक्त ग्रेजुएशन होगा, महिला सशक्त होगी, भारत उत्पादक राष्ट्र बनेगा, कृषि में युवा की वापसी होगी, जातिमुक्त भारत बनेगा, रक्षा आत्मनिर्भर बनेगी। सरकार की जिम्मेदारी संविधान के अनुच्छेद 41 में लिखी है - राज्य काम पाने का अधिकार सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। स्टाइपेण्ड राज्य के न्यूनतम वेतन का 50% + 2000 रुपये टॉप-अप करो। NAPS ऐप में रोज सेल्फी और जीपीएस। 55 लाख खाली पद 5 साल में भरो। माँ-बाप की सोच बदलो। बेटा 10वीं पास करे तो पूछो कौन सा हुनर सीखना है न कि कौन सा कॉलेज। लड़की वालों से अपील है जाति नहीं, तनख्वाह और आचरण देखो। लड़के से अपील है तैयारी नहीं, हुनर दिखाओ।

3 लाख साल पहले मानव ने पत्थर उठाया था। आज उसे मशीन उठानी है। बेरोजगारी मिटेगी तो लड़का 25 में शादी करेगा। शादी होगी तो घर बसेगा। घर बसेगा तो समाज बसेगा और समाज बसेगा तो भारत बसेगा। कबीर का आखिरी संदेश हैः -''बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।''- यानी पहले खुद स्किल्ड बनो, फिर दुनिया बदलेगी। स्किल्ड युवा होगा तभी स्वावलम्बी भारत होगा। जय स्किल्ड युवा। जय संविधान। जय भारत।

**-मदन सिंह काला,**
**पूर्व आई.ए.एस अधिकारी**

# प्रदेश में तृतीय श्रेणी शिक्षकों को छह साल से पदोन्नति का इंतजार

> ■ **राज्य सरकार की 5 जुलाई तक तबादलों से हटाई रोक को इस बार भी इन शिक्षकों पर लागू नहीं किया है**

**कबीकानेर,** (निसं)। राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षक पद सोपान में सबसे अंतिम पायदान पर नियुक्त तृतीय श्रेणी शिक्षकों के साथ सरकार का थर्ड ग्रेड टॉर्चर लगातार जारी है। राज्य सरकार की 5 जुलाई तक तबादलों से हटाई रोक को इस बार भी इन शिक्षकों पर लागू नहीं किया है। उधर 6 साल से इनकी पदोन्नति भी कानूनी पचड़े में फंसी हुई है। ऐसे में पद और स्थान दोनों परिवर्तनों का लाभ नहीं मिलने से करीब 1.22 लाख शिक्षक पदोन्नति व तबादला नीति के दो पाटों में पिसते महसूस कर रहे हैं।

शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने बताया कि तृतीय श्रेणी शिक्षकों की पदोन्नति भी छह साल से अटकी हुई है। अतिरिक्त विषय से स्नातक डिग्री की वैधता को लेकर चल रहे न्यायिक विवाद की वजह से लगभग 30 हजार शिक्षकों की पदोन्नति नहीं हो पा रही। शिक्षक संघ रेसटा का आरोप है कि सरकार के ढीले रवैये की वजह से ही मामला कोर्ट में ढीला चल रहा है। यदि ग्रेड थर्ड शिक्षक पदोन्नत होते तो द्वितीय थर्ड श्रेणी शिक्षक नियुक्त होने पर उन्हें तबादलों का लाभ भी मिल जाता।

राज्य में कार्यरत तृतीय श्रेणी शिक्षकों के अंतिम बार तबादले 2018 में हुए थे। उसके बाद से सरकारें तबादला नीति लागू करने का हवाला देते हुए उसे लगातार टाल रही है। इससे दूरदराज के इलाके में लंबे समय से नियुक्त लगभग 1 लाख शिक्षकों का तबादलों का इंतजार खत्म नहीं हो रहा है। प्रतिबंधित 10 जिलों में तो कई शिक्षक 15-15 साल से घर वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

## राशिफल

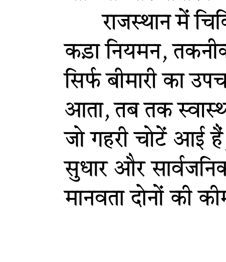

पंडित अनिल शर्मा

**शुक्रवार 26 जून, 2026**

द्वितीय ज्येष्ठ मास (शुद्ध), शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2083, विशाखा नक्षत्र सायं 7:16 तक, सिद्ध योग दिन 11:39 तक, बव करण प्रातः 9:16 तक, चन्द्रमा आज दिन 12:23 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थितिः** सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-वृष, बुध-कर्क, गुरू-कर्क, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज राजयोग सायं 7:16 से रात्रि 10:33 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सायं 7:16 से सूर्योदय तक है। महापात प्रातः 6:15 से दिन 1:50 तक है। आज चंपक द्वादशी है। आज ताजिया (मुहर्रम) है।

**श्रेष्ठ चौघड़ियाः** चर सूर्योदय से 7:21 तक, लाभ अमृत 7:21 से 10:47 तक, शुभ 10:29 से 2:12 तक, शुभ 5:37 से सूर्यास्त तक।

**राहूकालः** 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:20

**मेष**
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

**वृष**
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मिथुन**
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आज परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

**कर्क**
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

**सिंह**
परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

**कन्या**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

**तुला**
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

**वृश्चिक**
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

**धनु**
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

**मकर**
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

**कुंभ**
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मीन**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 233 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 26 जून, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

# कई वर्षों बाद अशोक गहलोत 10 जनपथ में प्रवेश पा सके

## राजीव गांधी नैशनल रिलीफ फण्ड की बैठक थी तथा कई पुराने नेता, जैसे पवन बंसल, मुकुल वासनिक, सलमान खुर्शीद, जनार्दन द्विवेदी व गहलोत इस फण्ड के पुराने सदस्य हैं

- कई सालों से बैठक नहीं हुई थी, अतः कई तकनीकी कमियां उभर आई थीं, जिन्हें दूर करना आवश्यक हो गया था।
- गहलोत व गांधी परिवार में काफी दूरियां हो गई हैं। अतः गहलोत का बैठक में भाग लेने का न्यौता बड़ी बात है, पर, इतनी बड़ी भी बात नहीं है, जितना गहलोत समर्थक ढिंढोरा पीट-पीट कर प्रचारित कर रहे हैं।
- यह भी सच है कि गहलोत काफी समय से गांधी परिवार से मिलने के इच्छुक थे, पर, बात नहीं बन रही थी।
- गहलोत किसी भी तरह से एआईसीसी में एडजस्ट होना चाह रहे हैं, पर, प्रयासों को सफलता नहीं मिल रही है।
- यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि राजस्थान के प्रभारी रंधावा ने के.सी. वेणुगोपाल से मुलाकात की और राजस्थान में पार्टी में काफी रद्दोबदल पर काफी चर्चा हुई।
- सबसे बड़ा परिवर्तन जो प्रस्तावित है, वह है नए प्रदेशाध्यक्ष की नियुक्ति, डोटासरा के स्थान पर।
- डोटासरा को रंधावा के अलावा के.सी. वेणुगोपाल का समर्थन प्राप्त है, पर, दूसरी ओर यह भी अनिवार्य है कि नए प्रदेशाध्यक्ष की नियुक्ति अति अनिवार्य है, राजस्थान में, अगर पार्टी अगले चुनाव में जीतना चाहती है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25जून। राजस्थान में हुए चर्चित राजनीतिक विद्रोह के बाद, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उस समय की कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत की थी, तब से गांधी परिवार और 10 जनपथ की नजरों में वे "अवांछित" हो गए थे। लेकिन आज, कई वर्षों के अंतराल के बाद, अशोक गहलोत ने 10 जनपथ में प्रवेश किया।

सूत्रों के अनुसार, यह बैठक राजीव गांधी राष्ट्रीय राहत कोष की थी, जिसके सदस्य कई वरिष्ठ नेता हैं। इनमें पवन बंसल, मुकुल वासनिक, सलमान खुर्शीद, जनार्दन द्विवेदी और अशोक गहलोत शामिल हैं।

एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि इस ट्रस्ट की बैठक कई वर्षों से नहीं हुई थी और कुछ तकनीकी समस्याओं को दूर करना आवश्यक था।

बैठक में पवन बंसल द्वारा कुछ नए प्रावधान जोड़ने का प्रस्ताव रखा गया, जबकि कुछ पुराने प्रावधान हटाने की मांग भी की गई, जिसे बैठक में स्वीकार कर लिया गया।

गांधी परिवार और अशोक गहलोत के बीच विश्वास की कमी होने के बावजूद, ट्रस्ट की बैठक में शामिल होने के लिए भेजे गए निमंत्रण को मीडिया

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# लोक अदालत ने नीलामी रद्द करना गलत माना, हाउसिंग बोर्ड पर जुर्माना लगाया

- अदालत ने सफल बोलीदाता के पक्ष में विक्रय पत्र निष्पादित करने के आदेश भी दिए।

जयपुर, 25 जून। स्थायी लोक अदालत, महानगर प्रथम ने शहर के मानसरोवर में दुकानों की नीलामी आयोजित करने के बाद, उसे बाद में निरस्त करने को गलत मानते हुए उसे रद्द कर दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने आवासन मंडल पर 42 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है, तथा अदालत ने नीलामी में सफल बोलीदाता के पक्ष में विक्रय पत्र निष्पादित करने को कहा है। पीठासीन अधिकारी मनोज कुमार सहारिया और सदस्य बलदेवराज बेनीवाल ने यह आदेश प्रवीण कुमार शर्मा के परिवाद पर दिए।

अदालत ने कहा कि आवासन मंडल की 16 सितंबर 2019 की अधिसूचना में स्पष्ट प्रावधान है कि एकल बोलीदाता होने के आधार पर नीलामी निरस्त नहीं की जाएगी। बोर्ड ने 28 जनवरी 2014 के आदेशों के तहत नीलामी रद्द की, जबकि इसके बाद की अधिसूचना और आदेश इसके खिलाफ हैं।

ऐसे में पहले के आदेश को बाद के आदेशों पर वरीयता नहीं दी जा सकती। इसलिए आवासन मंडल का नीलामी को निरस्त करना अवैध, अनुचित और मनमाना कृत्य है।

# 'पासपोर्ट होना, नागरिकता का प्रमाण नहीं है'

## विदेश मंत्रालय के बड़े अफसर के अनुसार, पासपोर्ट केवल "यात्रा" के लिए तैयार किया गया दस्तावेज है

- पासपोर्ट के होने से कोई भी व्यक्ति, भारतीय नागरिकों के लिए दी गई कई "वेलफेयर स्कीम्स" का हकदार नहीं हो जाता।
- सरकार, पहले ही यह घोषणा कर चुकी है कि आधार कार्ड व वोटर आइडैंटिटी कार्ड को नागरिकता के प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- इसके विपरीत यह तर्क दिया गया है कि पासपोर्ट भारत सरकार द्वारा जारी किया जाता है, पूरी तरह बैक-ग्राउण्ड जानकारी प्राप्त करने के बाद, जिसमें पुलिस वैरिफिकेशन भी शामिल है तथा इस प्रक्रिया से यह स्थापित हो जाता है कि पासपोर्टधारी भारत का नागरिक है।
- एक तर्क यह भी दिया जा रहा है कि कई बार गैर नागरिकों को भी पासपोर्ट जारी किया गया, अगर ऐसा करने से कूटनीतिक लाभ हो रहा हो और विशेष परिस्थितियाँ हों।
- बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्णय के अनुसार, 1967 के पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 में यह स्पष्ट लिखा है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। इस सप्ताह तीखी ऑनलाइन बहस के बाद, सरकार के सूत्रों ने जोर देकर कहा कि पासपोर्ट नागरिकता का सबूत नहीं है। बहस की शुरुआत विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी की उस टिप्पणी से हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि पासपोर्ट केवल एक यात्रा दस्तावेज है।

अब तक बहुत से लोग मानते थे कि पासपोर्ट, धारक को भारतीय नागरिक के रूप में मान्यता देता है। लेकिन अब सरकार ने कहा है कि कानूनी रूप से ऐसा नहीं है। इसके बाद पासपोर्ट के उद्देश्य, उसकी कानूनी स्थिति और व्यवहारिक उपयोग को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है।

विवाद तब शुरू हुआ, जब विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि पासपोर्ट "पूरी तरह से एक यात्रा दस्तावेज" है और इसे नागरिकता के सबूत के तौर पर नहीं माना जा सकता। अधिकारी ने जोर देकर कहा कि इसे जारी करने का यह मतलब नहीं है कि धारक की भारतीय नागरिकों के लिए बनी कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच हो ही जायेगी तथा उनका लाभ मिल ही जायेगा।

सरकार यह पहले ही कह चुकी है कि आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र भी नागरिकता का प्रमाण नहीं हैं।

इसके बाद एक्स पर गंभीर और व्यंग्यात्मक टिप्पणियों की बाढ़ आ गई।

"नागरिकता का प्रमाण नहीं? यह तो बेतुकी बात है।"

कई लोगों ने कहा कि पासपोर्ट केवल भारत सरकार द्वारा जारी किया जाता है और इसके लिए विस्तृत जाँच-पड़ताल की जाती है। इसमें किसी व्यक्ति के निवास संबंधी विवरण का पुलिस द्वारा भौतिक सत्यापन भी शामिल होता है। पासपोर्ट में स्पष्ट रूप

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# भाजपा में भारी उथल-पुथल होने के आसार नज़र आ रहे हैं

## मुख्य टारगेट हैं मध्य प्रदेश के मु.मंत्री मोहन यादव और इस परिवर्तन की श्रृंखला में यूपी के मु.मंत्री को घेरा जा रहा है तथा बिहार के मु.मंत्री सम्राट चौधरी पर भी सोशल एक्टिविस्ट भारत भूषण तिवाड़ी हत्याकांड को गंभीरता से न लेने का आरोप लगाया जा रहा है

- अयोध्या के राम मंदिर में भी चढ़ावे में पैसे की गड़बड़ी में भाजपा के दो ग्रुप आपस में आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं।
- ऐसे माहौल में भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन भी संगठन में तब्दिलियाँ कर रहे हैं तथा पार्टी का पब्लिसिटी विभाग, अपने नेताओं की छवि को बचाने का कोई खास प्रयास नहीं कर रहा।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। पिछले कुछ सप्ताहों में भाजपा के भीतर असामान्य घटनाक्रम देखने को मिल रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के परिवार से जुड़े भूमि सौदों की खबरों के बाद भाजपा और आरएसएस नेताओं ने उनके बचाव में अपेक्षाकृत चुप्पी साध रखी है। राजस्थान में संघ परिवार का प्रचार तंत्र मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की बहुत धार्मिक होने की छवि की भी बहुत सक्रिय रुप से खिलाफत नहीं कर रहा है। बिहार में सहयोगी दल के नेता उपेन्द्र कुशवाहा तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्विनी चौबे सहित, कई वरिष्ठ नेता 28 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता भारत भूषण तिवारी की हत्या से जुड़े मामले को संभालने के तरीके को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साध रहे हैं। अयोध्या मंदिर में धन के कथित गबन के मामले में भी भाजपा नेतृत्व का एक गुट दूसरे गुट के खिलाफ खड़ा दिखाई दे रहा है। कुल मिलाकर,

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# शिक्षक भर्ती-2025 की उत्तर कुंजी के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका

- याचिका पर हाई कोर्ट में सुनवाई 29 जून को होगी।

जयपुर, 25 जून। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित शिक्षक भर्ती-2025 के लेवल प्रथम की परीक्षा में विवादित प्रश्न-उत्तर से जुड़े मामले में अंतिम उत्तर कुंजी को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता ममता यादव व अन्य ने याचिका दायर कर हाईकोर्ट से नियुक्तियों पर रोक लगाने की गुहार की है। याचिका पर हाईकोर्ट में 29 जून को सुनवाई होगी।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि भर्ती के इन विवादित प्रश्न-उत्तर पर विषय विशेषज्ञों की एक स्वतंत्र कमेटी बनाई जाए। वहीं भर्ती का दुबारा से परिणाम जारी किया जाए और तब तक नियुक्तियों पर रोक लगाई जाए।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# करोड़ों एंड्रॉयड मोबाइल फोन्स में एक्सैलरोमीटर भूकंप की प्राइमरी कंपन को महसूस करते हैं

## और गूगल इन सभी मोबाइल फोन्स के कंपन के आधार पर आने वाले भूकंप का लोकेशन व साइज़ का अच्छा अदांज़ लगा लेते हैं

- तकनीकी विशेषज्ञों के इस अनुभव ने यह स्थापित कर दिया कि भूकंप का आना तो साइंस नहीं रोक सकती, पर, जल्दी चेतावनी मिलने से भूकंप से होने वाली हानि को जरुर कम किया जा सकता है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25जून। वेनेज़ुएला में लाखों लोगों को उनके एंड्रॉयड फोन पर जमीन हिलने से कुछ क्षण पहले चेतावनी संदेश मिला।

यह चेतावनी इस दक्षिण अमेरिकी देश में जबरदस्त भूकंप आने से कुछ सैकंड पहले ही मिली थी। हालांकि, यह समय बहुत कम था, लेकिन इन कुछ सैंकड ने एक बार फिर दुनिया भर में इस सवाल को चर्चा का विषय बना दिया- क्या तकनीक प्राकृतिक आपदाओं के समय लोगों की जान बचाने में मदद कर सकती है?

विशेषज्ञों का जवाब है, हां, लेकिन एक महत्वपूर्ण शर्त के साथ।

गूगल ने भूकंप की भविष्यवाणी नहीं की थी। इसके बजाय, उसने भूकंप के शुरुआती संकेतों को पहचान लिया और तेज झटके आने से पहले प्रभावित क्षेत्र के लोगों को चेतावनी भेज दी।

रिपोर्टों के अनुसार, गूगल के एंड्रॉयड अर्थक्वेक अलर्ट सिस्टम ने शुरुआती भूकंपीय गतिविधि का पता लगाया और विनाशकारी झटके पहुंचने से पहले आसपास के उपयोगकर्ताओं को चेतावनी भेज दी। यह तकनीक अरबों एंड्रॉयड स्मार्टफोन पर आधारित है, जिनमें लगे मोशन सेंसर जमीन की बेहद हल्की हलचल को भी महसूस कर सकते हैं।

एचआर एनेक्सी की बीओटीएस.एआई के निदेशक निखर अरोड़ा ने कहा कि वेनेज़ुएला की यह घटना दिखाती है कि भूकंप की प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली कितनी विकसित हो चुकी है।

उन्होंने कहा, "जैसा कि बहुत से लोग मानते हैं, गूगल ने भूकंप की भविष्यवाणी नहीं की थी। उसने केवल भूकंप के शुरुआती संकेतों का पता लगाया और तेज झटके शुरू होने से पहले चेतावनी जारी कर दी।"

उन्होंने बताया कि एंड्रॉयड फोन एक विशाल सेंसर नेटवर्क की तरह काम करते हैं। इनमें लगे एक्सेलेरोमीटर प्राथमिक भूकंपीय तरंगों, यानी पी-वेव्ज़ को पहचान लेते हैं, जो अधिक विनाशकारी एस-वेव्ज़ की तुलना में तेजी से यात्रा करती हैं।

अरोड़ा ने कहा, "जब बड़ी संख्या में उपकरणों में एक जैसा पैटर्न दिखाई देता है, तो गूगल के एल्गोरिद्म भूकंप के स्थान और तीव्रता का अनुमान लगाते हैं

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# प्रधानमंत्री 27 जून को सेशल्स जायेंगे

- वे सेशल्स के राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह में विशिष्ट अतिथि होंगे।

नई दिल्ली, 25 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हिन्द महासागर के खूबसूरत द्वीपीय देश सेशेल्स की स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेने के लिए शनिवार को तीन दिन की यात्रा पर सेशेल्स जाएंगे।

विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि प्रधानमंत्री 27-29 जून को सेशेल्स की राजकीय यात्रा करेंगे। वे रविवार को 'विशिष्ट अतिथि' के तौर पर सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री ने पिछली बार 2015 में सेशेल्स का दौरा किया था। इस समारोह में भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी और भारतीय नौसेना के दो जहाज हिस्सा लेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री राष्ट्रपति हर्मिनी

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# जमीन खाली कराने के लिए कलेक्टर-एसडीएम के आदेश पर रोक

## हाईकोर्ट ने सीकर कलेक्टर व श्रीमाधोपुर उपखंड अधिकारी सहित संबंधित पक्षकारों को 11 अगस्त को सुनवाई के दौरान पेश होने के आदेश दिए

- ज्ञात रहे कि मुख्यमंत्री की जनसुनवाई में रूपपुरा-उदलवास के खसरा नंबर 68 से 74 की भूमि को लेकर एक पक्ष द्वारा तथ्य छिपाकर शिकायत की गई थी, जिस पर सीएमओ ने कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 25 जून। राजस्थान हाईकोर्ट ने सीकर कलेक्टर व श्रीमाधोपुर उपखंड अधिकारी की ओर से 12 जून को जारी उस आदेशों पर रोक लगाई है, जिसमें रूपपुरा-उदलवास के खसरा नंबर 68 से 74 तक के तथाकथित कब्जाधारियों को जमीन खाली करने के संबंध आदेश दिए गए थे।

उल्लेखनीय है कि सीकर कलेक्टर व श्रीमाधोपुर एसडीएम को जमीन खाली करवाने के आदेश मुख्यमंत्री कार्यालय से मिले थे, क्योंकि इस संबंध में सीएम की जनसुनवाई में "एक पक्ष" द्वारा तथ्यों को छुपाकर अतिक्रमण को लेकर शिकायत दी गई थी, जबकि यह प्रकरण पिछले कई वर्षों से अदालत में लंबित चल रहा है। हाईकोर्ट ने सरदार सिंह कुमावत व रामचंद्र प्रजापति की ओर से दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया।

इस प्रकरण में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अनुराग कलवाटिया पैरवी के लिए पेश हुए थे। न्यायाधीश अनुरूप सिंघी ने जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी श्रीमाधोपुर व अन्य पक्षकारों को इस मामले की अगली सुनवाई, 11 अगस्त को पेश होने के लिए कहा है। साथ ही, अदालत ने आदेश दिए हैं कि राज्य सरकार अथवा जिला प्रशासन याचिकाकर्ता के खिलाफ फिलहाल कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेंगे।

अधिवक्ता अनुराग कलवाटिया ने अदालत को बताया था कि इस मामले में याचिकाकर्ता सरदार सिंह कुमावत व रामचंद्र प्रजापति के पक्ष में 15 अक्टूबर 2024 को अतिरिक्त कलेक्टर (फास्ट ट्रैक) नीमकाथाना ने यथास्थिति बनाये रखने के आदेश दिए थे। ये तथ्य शिकायतकर्ता द्वारा मुख्यमंत्री की जनसुनवाई में उजागर नहीं किए गए थे।

# राहुल गांधी ने खेद जताया, मानहानि का केस समाप्त

- केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के पुत्र कार्तिकेय सिंह ने राहुल गाँधी का खेद स्वीकार किया व केस समाप्त करने की सहमति दी।

जबलपुर, 25 जून। मध्य प्रदेश की सियासत का एक लंबा और चर्चित कानूनी विवाद आखिरकार सौहार्दपूर्ण मोड़ पर गुरुवार को समाप्त हो गया। दरअसल, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के पुत्र कार्तिकेय सिंह चौहान के बीच चल रहा मानहानि का मामला पूरी तरह सुलझ गया है।

सुनवाई के दौरान राहुल गांधी ने अब मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में आवेदन दायर कर इस घटना पर गहरा खेद व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उस वक्त भूलवश उनके मुंह से कार्तिकेय सिंह चौहान का नाम निकल गया था, जबकि उनका आशय किसी अन्य व्यक्ति से था। अपने बयान पर खेद जताते हुए उन्होंने माननीय न्यायालय से राहत की मांग की।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# अगले चुनाव में पार्टी का नेतृत्व मैं ही करुंगा - नवीन पटनायक

- पटनायक की घोषणा ने पार्टी में असमन्जस की स्थिति समाप्त की।

भुवनेश्वर, 25 जून। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि वर्ष 2029 के आम चुनाव में पार्टी का नेतृत्व वही करेंगे। उनके इस बयान के साथ ही, पूर्व आईएएस अधिकारी सुजाता कार्तिकेयन को पार्टी के भविष्य के चेहरे के रूप में पेश किए जाने संबंधी अटकलों पर विराम लग गया है।

बीजद मुख्यालय शंख भवन में पूर्व आईएएस अधिकारी सुजाता कार्तिकेयन को पार्टी की सदस्यता दिलाने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए नवीन पटनायक ने अपनी मंशा

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

CMYK CMYK

# खैरथल-तिजारा जिले के मंडी व्यापारी ने अलवर आकर सुसाइड किया

## सुसाइड से पहले व्यापारी ने फेसबुक पर पोस्ट कर लिखा कि 'आईजी और एसपी साहब एएसआई महेंद्र सिंह यादव तिजारा के खिलाफ कार्रवाई करें, ऐसे इंसान को डिसमिस करें'

**अलवर,** (निसं)। खैरथल-तिजारा जिले के एक मंडी व्यापारी ने अलवर आकर सुसाइड कर लिया। मरने से पहले उसने फेसबुक पर पोस्ट कर लिखा कि 'आईजी और एसपी साहब एएसआई महेंद्र सिंह यादव तिजारा के खिलाफ कार्रवाई करें। ऐसे इंसान को डिसमिस करें। मेरी सारी गवाही और सबूत मिटा दिए गए, जबकि सीओ शिवराज सिंह ने जांच कर मेरे ऊपर सोनू की तरफ से लगे एससी-एसटी के झूठे मुकदमे लगाए एफआर लगाई। महेंद्र एएसआई तिजारा ने बहुत गलत किया है। मेरे से 18 हजार रुपये रिश्वत ली। मरने वाला झूठ नहीं बोलता। सोनू से सांठगांठ हो गई और फाइल से सारी गवाही हटा दी गई।'

फेसबुक पर पोस्ट करने के बाद व्यापारी ने तिजारा सीओ शिवराज सिंह को भी मैसेज किया, जिसके बाद उसने अपना फोन स्विच ऑफ कर लिया। इस दौरान सीओ शिवराज सिंह को शक हुआ तो व्यापारी राजेश गुप्ता (52) की लोकेशन निकलवाने की कोशिश की गई। शुरुआत में लोकेशन नहीं मिली, जिसके बाद सीओ खुद जाब्ते के साथ उसके घर पहुंचे। वहां राजेश का बेटा मिला, लेकिन उसे भी अपने पिता के बारे में जानकारी नहीं थी कि वह कहां गए हैं। हालांकि राजेश पिछले तीन दिनों से गायब था। इसके बाद पुलिस ने फिर लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश की तो उसकी लोकेशन अलवर शहर की तेज मंडी के पास दिखाई दी। तिजारा पुलिस ने अलवर पुलिस को सूचना देकर मौके पर भेजा, जहां दा रॉयन गेस्ट हाउस में राजेश गुप्ता पंखे से लटका मिला। इसके बाद उसे नीचे उतारकर जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

तिजारा सीओ शिवराज सिंह ने बताया कि राजेश करीब दो साल पहले एक महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। साथ रहने के बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। इसके बाद महिला सोनू ने राजेश पर एससी-एसटी एक्ट का मुकदमा दर्ज कराया था और राजेश ने महिला के खिलाफ 420 का मामला दर्ज कराया था। दोनों मामलों में पुलिस ने जांच करते हुए एफआर लगा दी थी। इसी के साथ राजेश को कुछ व्यवसायिक नुकसान भी हो रहा था। साथ ही राजेश ने तिजारा मंडी में किसी कच्ची पर्ची का भी जिक्र किया था, जिसमें उसने गड़बड़ी होने की बात कही थी। शिवराज सिंह ने बताया कि राजेश ने दोपहर करीब 12 बजे उनके मोबाइल पर ये मैसेज भेजे थे, जिसके बाद पुलिस हरकत में आ गई और उसकी तलाश शुरू कर दी गई ताकि वह कोई गलत कदम न उठा ले, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

व्यापारी का फाइल फोटो

- फेसबुक पर पोस्ट करने के बाद व्यापारी ने तिजारा सीओ शिवराज सिंह को भी मैसेज किया, जिसके बाद उन्होंने अपना फोन बंद कर लिया
- तिजारा पुलिस ने अलवर पुलिस को सूचना देकर मौके पर भेजा, जहां एक गेस्ट हाउस में व्यापारी राजेश गुप्ता पंखे से लटका मिला

फेसबुक पोस्ट में राजेश गुप्ता ने महिला सोनू पर भी गंभीर आरोप लगाए। उसने लिखा कि महिला ने उससे 5 लाख रुपये लिए थे और धमकी दी थी कि वह उसके भतीजे की शादी बिगाड़ देगी। राजेश ने अपनी पोस्ट में आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में महिला की बहन भी शामिल है और दोनों मिलकर लोगों के साथ ठगी करती हैं। इसके अलावा राजेश ने फेसबुक पर महिला के साथ हुई चैट के स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किए, जिनमें महिला की ओर से भेजे गए मैसेज दिखाई दे रहे हैं।

# युवक ने जहरीली दवा खाई, मौत

**डूंगरपुर,** (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के पीपलादा गांव में एक युवक ने जहरीली दवा खाकर अपनी जीवन समाप्त कर ली। युवक लंबे समय से मानसिक बीमारी से जूझ रहा था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बीती रात मानसिक तनाव के चलते माधव सिंह ने घर पर ही कोई अज्ञात जहरीली दवा खा ली। दवा का असर होते ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन उसे बेहोशी की हालत में डूंगरपुर के जनरल अस्पताल ले गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद माधव सिंह को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

# सड़क हादसे में युवक की मौत

**मसूदा,** (निसं)। मसूदा थाना क्षेत्र में देवास चौराहे के निकट सड़क दुर्घटना में एक मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। दुर्घटना उस समय हुई जब युवक अपने ननिहाल कानपुरा जा रहा था। पुलिस के अनुसार मृतक के भाई सुखदेव ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका भाई लक्ष्मण सिंह मोटरसाइकिल से कानपुरा जा रहा था। देवास चौराहे से पहले ब्यावर-विजयनगर मार्ग पर एक कार चालक तेज गति से वाहन चलाते हुए आया तथा मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

# जोधपुर में एमडी ड्रग सहित दो गिरफ्तार

## जांच में सामने आया कि एमडी मतोड़ा के पल्ली गांव से लाई गई थी

**जोधपुर,** (कासं)। शहर की उदयमंदिर पुलिस ने मोहनपुरा पुल के नीचे बुधवार की शाम को एक लोडिंग टैक्सी के बॉक्स में रखी 136 ग्राम एमडी ड्रग बरामद की है। इसे लाने वाला भी टैक्सी चालक के साथ था। दोनों इसे आसपास कहीं पर सप्लाई करने वाले थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरंभिक पड़ताल में सामने आया कि यह एमडी मतोड़ा के पल्ली गांव से लाई गई है। अब देने वाले की पुलिस तलाश में जुटी है। पकड़े गए लोडिंग टैक्सी चालक और दूसरे के युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है।

थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि मुखबिरी सूचना मिली कि मोहनपुरा पुल के नीचे से गुजरने वाली एक लोडिंग टैक्सी में अवैध मादक पदार्थ रखा हुआ है जोकि संभवत : एमडी ड्रग हो सकती है। इस पर पुलिस की टीम ने मोहनपुरा पुल के नीचे कपड़ों की गांठों से भरी लोडिंग टैक्सी को रूकवाया।

उसमें सवार दोनों युवकों से पूछताछ किए जाने के साथ गाड़ी के ड्राइवर सीट के पास बॉक्स को चैक किया गया तो उसमें 136 ग्राम एमडी ड्रग मिली। इस पर चालक अजासर चाखू निवासी सुनील को गिरफ्तार किया गया। उसके साथ वाले ने अपना नाम पता एकलखोरी ओसियां निवासी खमूराम होना बताया।

थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि पूछताछ में पता लगा कि खमूराम यह एमडी ड्रग लेकर आया था और कहीं सप्लाई करने वाले थे, जगह का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस पूछताछ में आरोपी खमूराम ने बताया कि वह यह एमडी ड्रग मतोड़ा के पल्ली निवासी सुनील से लेकर आया है। अब पुलिस सुनील की तलाश में लगी है।


**कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जिला खण्ड सांगोद (जिला कोटा)**

क्रमांकः-814 | **निविदा सूचना संख्या 02/2026-27** | दिनांक : 15.06.2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सड़क / भवन कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए, बी, सी, श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई- टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

(UBN NO.PWD2627WSOB05206) (UBN NO.PWD2627WSOB05207)
(UBN NO.PWD2627WSOB05208) (UBN NO.PWD2627WSOB05209)
(UBN NO.PWD2627WSOB05210) (UBN NO.PWD2627WSOB05211)
(UBN NO.PWD2627WSOB05212) (UEN NO.PWD2527WS0805213)
(UBN NO.PWD2627WSOB05214) (UBN NO.PWD2627WS0B05215)
(UBN NO.PWD2627WSOB05216) (UBN NO.PWD2627WSOB05217)
(UBN NO.PWD2627WSOB05218) (UBN NO.PWD2627W50B05219)
(UBN NO.PWD2627WSO805221) (UBN NO.PWD2627WS0B05222)
(UBN NO.PWD262/WS0805223) (UBN NO.PWD2627WS0B05224)
(UBN NO.PWD2627WS0B05225)

(दिनेश कुमार धाकड़)
अधिशाषी अभियन्ता
सानि वि जिला खण्ड सांगोद

DIPR/C/11027/2026


# कविता को ग्रामीण सेवा शिविर में मकान का पट्‌टा मिला

## मकान का पट्टा मिलने पर महिला का मुख्यमंत्री का आभार जताया

ब्यावर की नरबदखेड़ा ग्राम पंचायत में लगे सेवा शिविर में महिला कविता को मकान का आबादी भूमि का पट्टा दिया।

**जयपुर, ब्यावर।** ब्यावर जिले की नरबदखेड़ा ग्राम पंचायत में लगे ग्रामीण सेवा शिविर में जब ग्राम नरबदखेड़ा निवासी कविता पत्नी प्रवीण सिंह को उसके मकान का आबादी भूमि पट्टा दिया गया, खुशी से उसके आंसू निकल आए।

कविता ने बताया कि काफी समय से पट्टा नहीं मिलने के कारण उसे कई दिक्कतें आ रही थी। वह बैंक से लोन लेकर एक अतिरिक्त कमरा बनवाना चाहती थी लेकिन पट्टे के बिना बैंक लोन नहीं दे रहा था, मकान के स्वामित्व को लेकर भी मन में डर था।

ग्रामीण सेवा शिविर में कविता ने ग्राम पंचायत के माध्यम से आवेदन किया, तत्काल उसकी पात्रता की जांच की गई और शिविर में ही उसे मकान का पट्टा प्रदान कर दिया गया। कविता ने कहा कि रोटी, कपडा और मकान न्यूनतम जरूरत माने जाते हैं लेकिन रोटी तो आज मिल गई तो कल की रोटी के लिए नया संघर्ष करना पड़ता है, कपडे के लिए भी साल-2 साल में नये सिरे से मशक्कत करनी पड़ती है। मकान गरीब का वह सपना होता है, एक बार पूरा हो जाये तो पूरी जिन्दगी बिना टेंशन के निकल जाती है। मकान बनाकर उस सपने को देख तो लिया था, पट्टा मिलने से अब वास्तविकता में बदला है। अब मेरे बच्चों को मेरे रहने और मेरे बाद भी छत के लिए भटकना नहीं पड़ेगा, उनको इस पर अधिकार का कागज मिल गया है। इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार, जिन्होंने मुझे पट्टा दिलवाने के लिए कैम्प लगवाया। जिस पट्टे के लिए बरसों से भटक रहे थे, आज गांव में ही मिल गया।

- महिला के पास पट्टा नहीं होने से बैंक लोन नहीं दे रहा था

# अलवर में वन राज्य मंत्री ने कोचिंग सैंटरों को सील करने की कार्रवाई पर रोक लगाई

**अलवर,** (निसं)। अलवर में बुधवार को नयाबास के आसपास 14 कोचिंग सैंटर और लाइब्रेरी सील किए जाने के अगले ही दिन वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने इस कार्रवाई को रुकवा दिया है। गुरुवार को कोचिंग संचालकों का एक प्रतिनिधिमंडल सर्किट हाउस में जनसुनवाई के दौरान वन मंत्री संजय शर्मा से मिला और अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

इस मामले में कोचिंग संचालक को थप्पड़ मारने के आरोप में एक महिला होमगार्ड को हटा दिया गया है। वहीं, कोचिंग संचालकों ने नगर निगम के एक्सइएन धर्मेंद्र मीणा पर भी अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए शिकायत सौंपी है। वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि लखनऊ में हुए अग्निकांड के बाद सरकार के आदेश पर पूरे प्रदेश में कोचिंग सैंटर और लाइब्रेरी की जांच की गई थी। जहां आग बुझाने के उपकरण और फायर एनओसी नहीं मिली, उन्हें सील किया गया था। अलवर में भी एक दिन यह कार्रवाई की गई, लेकिन कोचिंग सैंटर संचालकों से मुलाकात के बाद अब यह तय किया गया है कि उन्हें 15 दिन का समय दिया जाए। इस अवधि में वे फायर एनओसी प्राप्त कर लें और आग बुझाने के पुख्ता इंतजाम पूरे कर लें। इसके लिए कोचिंग सैंटर संचालकों से एक शपथ पत्र (एफिडेविट) भी लिया जाएगा कि यदि 15 दिनों के भीतर आग बुझाने के उपकरण नहीं लगाए गए, तो आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सीलिंग की कार्रवाई रोक दी गई है। इसके अलावा, करियर मेकर कोचिंग सैंटर के संचालक को थप्पड़ मारने के आरोप में दोषी महिला होमगार्ड को हटा दिया गया है।

- मंत्री ने 15 दिन का समय दिया, इस अवधि में वे फायर एनओसी प्राप्त कर लें और आग बुझाने के पुख्ता इंतजाम पूरे कर लें

इसके अलावा, सर्किट हाउस में वन राज्य मंत्री के पास ट्रांसफर के आवेदन लेकर पहुंचने वाले लोगों की भी लंबी कतार लगी रही। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि सरकार ने करीब डेढ़ साल बाद तबादलों से रोक हटाई है। यही कारण है कि इस समय तबादलों के लिए सबसे अधिक आवेदन आ रहे हैं। जितनी भीड़ गुरुवार को सर्किट हाउस में दिखी, उससे कहीं अधिक भीड़ बुधवार को जयपुर सचिवालय में थी। हम सभी के आवेदन स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन सरकार की मंशा है कि किसी को भी अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। जहाँ पद रिक्त (खाली) हैं, केवल वहीं तबादले किए जाएं।

# जोधपुर में एमडी फैक्टरी का अवैध निर्माण तोड़ा

**जोधपुर,** (कासं)। फलौदी जिले में अवैध मादक पदार्थ और शराब माफियाओं के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक सतनाम सिंह ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार बाप क्षेत्र में अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया।

- जिला प्रशासन ने ग्राम टेकरा में गोचर भूमि पर बनी अवैध शराब की दुकान को भी गिराया

ग्राम भारवा नगर मोडकिया में आरोपी सुखराम के ट्यूबवेल पर संचालित एमडी ड्रग्स फैक्टरी का 21 मई को भंडाफोड़ किया था। यहां से एमडी, उपकरण और रासायनिक पदार्थ बरामद किए गए थे। बुधवार को तहसीलदार बाप, राजस्व टीम और पुलिस ने फैक्टरी के अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा ग्राम टेकरा में गोचर भूमि पर बनी अवैध शराब की दुकान को भी गिराया गया। मार्च में यहां से विभिन्न प्रकार की शराब जब्त की गई थी। जांच में दुकान का निर्माण गोचर भूमि पर पाया गया, जिसके बाद प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर अवैध ढांचे को ध्वस्त कर दिया।


**कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर**

क्रमांकः अअ / सांचौर / 2026-27/429 | दिनांकः 19.06.2026

**निविदा सूचना संख्याः 03 वर्ष 2026-27**

**NIB No. PWD2627A1278**

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सीडी कार्य के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 132.50 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

| | |
|---|---|
| ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख | 24 जून 2026, 9:30 बजे से 06 जुलाई 2026, सायं 06:00 बजे तक |

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

PWD2627WSOB05413, PWD2627WSOB05415
PWD2627WSOB05416, PWD2627WSOB05417

(प्रदीप पंवार)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

DIPR/C/11154/2026



**कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सा. नि. विभाग, विद्युत खण्ड-द्वितीय, जयपुर**

क्रमाक :-498 | दिनांक : 18.06.2026

**निविदा सूचना संख्याः 11/2026-27**

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से कार्य

(1.) Rate contract for electrical work in residential buildings Model Town, Malviya Nagar, Jawahwar Nagar, Vidhaydhar Nagar Quarters/Bunglows at Jaipur
(2.) Rate contract for electrical work in residential buildings Hospital Road, Heera Bagh, Bhagat Singh Marg, Gangwal Park, C.S. Residence, DGP Residence and other Type Quarters/Bunglows Under Juridication of Electrical Sub Division IV, Jaipur
(3.) Rate contract for electrical work in residential buildings IInd type, M type, N type and other Type Quarters/Bunglows at Gandhi Nagar, Jaipur
(4.) Rate contract for electrical work in residential buildings IIIrd type, IV type, Old MREC, Multy Storey and other Type Quarters/Bunglows at Gandhi Nagar, Jaipur
(5.) Rate contract for electrical work in residential buildings Vth type, Vith type, H Type, G Type, Bajaj Nagar Apartment and other Type Quarters/Bunglows at Gandhi Nagar, Jaipur
(6.) Rate contract for electrical work in residential buildings AVS Flats, E type, F type and other Type Quarters/ Bunglows at Gandhi Nagar, Jaipur
(7.) Rate contract for electrical work in residential buildings J type, J-II, JA, JB and other Type Quarters/Bunglows at Gandhi Nagar, Jaipur
(8.) SITC of CCTV Camera System for Security purpose at S-Block Mahveer Nagar Tonk road Malviya Nagar Jaipur
(9.) SITC of CCTV Camera System for Security purpose at Love Kush Nagar Tonk Road Malviya Nagar Word 145 Jaipur

हेतु उपर्युक्त विद्युत श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों से से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा मय दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरीयड) शर्त सहित विद्युत कार्यों हेतु आमंत्रित की जाती है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया "https://eproc.rajasthan.gov.in" पर ऑन लाईन सम्पादित की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tender.asp तथा http://eproc.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदको को ई-निविदा में भाग लेने हेतु वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। शुद्धि-पत्र केवल http://eproc.rajasthan.gov.in वेब साईट पर अपलोड किए जाऐंगे।

UBN NO.: PWD2627WSOB05385, PWD2627WSOB05386, PWD2627WSOB05387, PWD2627WSOB05388, PWD2627WSOB05389, PWD2627WSOB05390, PWD2627WSOB05391, PWD2627WSOB05392, PWD2627WSOB05393

(अरविन्द खत्री) अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि, विद्युत खण्ड-द्वितीय, जयपुर
मो नं. 9829456575
ईमेल-eeelectriciii@gmail.com

DIPR/C/11155/2026


# फर्टीलाइजर सेल्स एप्लीकेशन सिस्टम का राजसमंद में शुभारंभ

## पायलट प्रोजेक्ट के रूप में राजसमंद और सिरोही जिलों को चयनित किया गया है

कृषि विभाग के आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने कृषि विज्ञान केंद्र राजसमन्द में एप का शुभारम्भ किया।

**जयपुर।** कृषि विभाग के आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने गुरुवार को कृषि विज्ञान केंद्र राजसमन्द में आयोजित कार्यक्रम में फर्टीलाइजर सेल्स एप्पलीकेशन सिस्टम (एफएसएएस) का शुभारम्भ किया। इस अभिनव व्यवस्था को फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के रूप में राजसमंद एवं सिरोही जिलों में लागू किया गया है। कार्यक्रम में एडीएम नरेश बुनकर सहित कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, किसान एवं कृषि आदान विक्रेता उपस्थित रहे।

कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को पारदर्शी, सुगम एवं तकनीक आधारित सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि एफएसएएस प्रणाली के माध्यम से किसानों को उनकी फार्मर आईडी के आधार पर अनुदानित उर्वरकों का वितरण किया जाएगा। इससे उर्वरक वितरण व्यवस्था अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी तथा वास्तविक किसानों तक समय पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। इस प्रणाली की शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर राजसमंद जिले से की गई है। अब किसान अपने मोबाइल फोन के माध्यम से उर्वरक की बुकिंग कर सकेंगे तथा निर्धारित प्रक्रिया के तहत उन्हें खाद की आपूर्ति पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित कराई जाएगी। इससे किसानों को खाद लेने के लिए लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा तथा समय और श्रम दोनों की बचत होगी। साथ ही उर्वरकों की कालाबाजारी एवं अनियमित वितरण पर भी प्रभावी रोक लग सकेगी।

- एप के माध्यम से अनुदानित उर्वरकों का वितरण होगा, किसानों को कतारों में नहीं लगना पड़ेगा

एडीएम नरेश बुनकर ने कहा कि तकनीक आधारित यह पहल किसानों को सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे उर्वरक वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसानों को समय पर आवश्यक कृषि आदान उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने किसानों से इस प्रणाली का अधिकतम लाभ उठाने का आव्हान किया।

अतिरिक्त निदेशक कृषि खंड भीलवाड़ा श्री निरंजन सिंह राठौड़ ने कहा कि फर्टीलाइजर सेल्स एप्पलीकेशन सिस्टम (एफएसएएस) उर्वरक वितरण व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

# राजगढ़ में दो कारों की टक्कर में दो युवकों की मौत, एक घायल

**सादुलपुर,** (निसं)। जयपुर से भादरा जा रही वरना कार को गलत दिशा से आ रही तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर गाड़ी ने टक्कर मार दी। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर घायल है। राजगढ़ थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने घटना का मौका निरीक्षण किया है तथा मामला दर्ज कर मृतक युवकों के शव परिजनों को सौंप दिये।

जानकारी के अनुसार हादसा 25 जून रात करीब 1.15 बजे राजगढ से करीब 11 किमी दूर चूरू की तरफ मुंदीताल बस अड्डा पर हुआ। पुलिस को दी रिपोर्ट में नरेश कुमार, निवासी हाथीपुरा भादरा और पुनित सिंह, निवासी सिकरोडी भादरा ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उनके भाई रामचंद्र पुत्र गोविंदराम, सिंधि निवासी वार्ड॰4 भादरा और पवन सिंह पुत्र सुरेश सिंह, निवासी सिकरोडी भादरा वरना कार से जयपुर से भादरा लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही बिना नंबर की फॉर्च्यूनर गाड़ी गलत दिशा में लापरवाही से चल रही थी। फॉर्च्यूनर गाडी के चालक ने वरना कार को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वरना कार में सवार रामचंद्र व पवन सिंह की मौके पर मौत हो गई।


**कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सुल्तानपुर**

क्रमांकः 655 | दिनांक :- 16/06/2026

**निविदा सूचना संख्या 12/2026-27**

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन एवं सड़क निर्माण कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभागं राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org, http://www.pwd.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 06.07.2026 को 06:00 बजे तक।

UBN No.- 1. PWD2627WSOB05189
2. PWD2627WSOB05190

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सुल्तानपुर

DIPR/C/11061/2026



**Office of the Executive Engineer, Watershed Development & Soil Conservation Bikaner**

S.N.: 170-76 | Date: 18/06/2026

**NOTICE INVITING BID**

**NIB No WSC2627A0466**

On the behalf of Governor of Rajasthan, bids for the execution of Construction of NRM Works under PMKSY 2.0 Projects of estimated value INR 132.58 Lakh as mentioned below are invited from interested bidders up to 30-06-2026, 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state, and www.watershed.rajasthan.gov.in departmental website.

| Bid No. | Block | Estimated Cost, (Rs. in lakhs) | UBN No. |
|---|---|---|---|
| 1 | Bikaner | 132.58 | WSC2627WSOB00729 |

[Mahesh Kumar Ajariwal]
Executive Engnieer
WDSC, Bikaner

DIPR/C/11179/2026



**Office of the Executive Engineer, Watershed Development & Soil Conservation Bikaner**

S.N.: 177-83 | Date: 18-06-2026

**NOTICE INVITING BID**

**NIB No WSC2627A0473**

On the behalf of Governor of Rajasthan, bids for the execution of Construction of NRM & PRODUCTION Works under PMKSY 2.0 Projects of estimated value INR 109.22 Lakh as mentioned below are invited from interested bidders up to 30-06-2026, 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state, and www.watershed.rajasthan.gov.in departmental website.

| Bid No. | Block | Estimated Cost, (Rs. in lakhs) | UBN No. |
|---|---|---|---|
| 1 | Bikaner | 44.11 | WSC2627WSOB00750 |
| 1 | Bikaner | 65.11 | WSC2627WSOB00751 |

[Mahesh Kumar Ajariwal]
Executive Engnieer
WDSC, Bikaner

DIPR/C/11178/2026



राजस्थान सरकार

**कार्यालय प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर, जालोर**

कमांकः लेखा/निविदा/2026/1248 | दिनांकः- 15/06/26

**ऑनलाईन खुली निविदा सूचना संख्या 05/2026-27**

श्रीमान निदेशक महोदय जनगणना कार्य निदेशालय राजस्थान जयपुर के भारत की जनगणना 2027 के कार्य सम्पादन हेतु जिला एवं चार्ज स्तर पर हार्डवेयर कय करने के लिए Single Stage Two Envelope ऑनलाईन खुली दरनिविदा आमन्त्रण की जाती है। निविदा का विवरण निम्न प्रकार है।

| क्र. सं. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (लाखों में) | बोली प्रपत्र शुल्क (रू.में) | ई-निविदा प्रोसेसिंग शुल्क (रू.में) | बोली प्रतिभूति राशि (रू.में) | ऑनलाईन बोली: निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की दिनांक व समय | ऑनलाईन बोली: निविदा प्रपत्र अपलोड करने की अंतिम दिनांक व व समय | ऑनलाईन बोली: ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | जिला स्तर चार्ज स्तर (समस्त तहसील / नगरपरिषद / नगर पालिकाओं) में हार्डवेयर कय करने हेतु | 18.00/- | 1000/ | 500/- | 36000/- | 17.06.26 9.00 AM | 29.06.26 01.00 PM तक | 29.06.26 04.00 PM |

निविदा को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता में निहित होगा। निविदा से सम्बन्धित समस्त शर्तें व जानकारी राजस्थान लोक उपापन की वेबसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

नोट :- सिंगल चालान से जमा करवानी होगी। उसकी प्रति ऑनलाईन बिड में चढाना होगा।

NIB NO - CJL2627A0012
UBN NO-CJL2627GLOB00014

उप जिला जनगणना अधिकारी
एवं उपनिदेशक,
आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, जालोर

DIPR/C/11278/2026

## संक्षिप्त

### उपखंड अधिकारी ने संभाला पदभार

**भीण्डर, (निसं)।** भीण्डर उपखण्ड की नव नियुक्त उपखंड अधिकारी अभिलाषा ने गुरूवार को पदभार ठाहण किया। पदभार ग्रहण करने के अवसर पर भीण्डर बार एसोसिएशन पदाधिकारियों ने शॉल, पगडी एवं उपरणा पहनाकर स्वागत किया। उल्लेखनीय हैं कि भीण्डर उपखण्ड अधिकारी का पद पिछले एक माह से अधिक समय से रिक्त चल रहा था। पिछले दिनों जारी हुई प्रशासनिक अधिकारियों की सूची में डूंगरपुर के साबला से उपखण्ड अधिकारी अभिलाषा का भीण्डर स्थानांतरण किया गया था।इस अवसर पर बार एसोसिएशन अध्यक्ष राजमल मेनारिया, पूर्व अध्यक्ष कैलाश चंद्र चौबीसा, लक्ष्मण गिरी गोस्वामी, उपाध्यक्ष सुरेंद्र चौबीसा, महासचिव उमेश माली, सचिव लोकेश कुमार रेगर, कोषाध्यक्ष कैलाश चंद्र खारीवाल, पुस्तकालय सचिव रामसिंह रावत, मनोज रेगर, मदन मेघवाल आदि उपस्थित थे।

### समस्याओं को लेकर निकाली रैली

**डूंगरपुर, (निसं)।** राजस्थान शिक्षक संघ जिला शाखा डूंगरपुर के बैनर तले गुरूवार को शिक्षकों और विद्यार्थियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर एक विशाल रैली और विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। रैली नेहरू पार्क से रवाना होकर जिला कलेक्ट्रेट पहुंची, जहाँ शिक्षकों ने अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। इसके बाद जिला कलेक्टर के माध्यम से शिक्षा मंत्री एवं केंद्रीय उच्च शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष मणिलाल मालीवाड एवं प्रदेश उपाध्यक्ष हेमंत कुमार खराडी ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रदेश के लाखों शिक्षकों और विद्यार्थियों के हितों से जुडे इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर लंबे समय से सरकार का ध्यान खींचा जा रहा है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई न होने से शिक्षक समुदाय में भारी आक्रोश है। रैली और प्रदर्शन में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व महिला संयोजक सहित सैकडों की संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

### उदयपुर में निर्जला एकादशी मनाई

**उदयपुर, (कासं)।** नारायण सेवा संस्थान में निर्जला एकादशी पर्व श्रद्धा, आस्था और सेवा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर निःशुल्क सर्जरी एवं कृत्रिम अंग लगवाने हेतु देश के विभिन्न प्रांतों से आए दिव्यांगजनों एवं उनके परिजनों को फलाहार एवं मीठे भोजन की व्यवस्था कराई गई। साथ ही सेवा, अध्यात्म और आत्मचिंतन का संदेश भी दिया गया। संस्थान में आयोजित अपनों से अपनी बात कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने निर्जला एकादशी के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल भूखे-प्यासे रहने का व्रत नहीं, बल्कि आत्मा को परमात्मा के निकट ले जाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने उपवास का अर्थ 'उप' अर्थात् निकट और 'वास' अर्थात् निवास बताया है। इस प्रकार उपवास का वास्तविक अर्थ भगवान के निकट रहना है। उन्होंने कहा कि निर्जला एकादशी केवल प्यास सहने का नाम नहीं है, बल्कि अपने भीतर की तृष्णाओं को पहचानने और उन पर विजय प्राप्त करने का माध्यम है।

## मकान की दीवार को लेकर दो भाइयों पर हमला

**डूंगरपुर, (निसं)।** जिले के रामसागडा थाना क्षेत्र के माडा गांव में मकान की दीवार को लेकर चल रहा पुराना विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पड़ोसी परिवार ने दो भाइयों पर लट्ठ और धारदार हथियारों से हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें जिला अस्पताल से रेफर कर दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। माडा गांव निवासी जगदीश कलाल ने बताया कि उनके परिवार और पड़ोसियों के बीच मकान की दीवार को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। हाल ही में जब वे अपनी दुकान की छत का काम करवा रहे थे, तब विवाद फिर से भड़क उठा। जगदीश के अनुसार, पड़ोसी परिवार ने पहले निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को वहां से भगा दिया। इसके बाद उन्होंने जगदीश और उनके भाई हितेश पर लट्ठों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गए। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण दोनों घायलों को तत्काल एक निजी वाहन से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज किया, लेकिन चोटें गंभीर होने के कारण दोनों को इलाज के लिए रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई और जांच शुरू कर दी।

# राज्यपाल बागड़े ने कुम्भलगढ़ दुर्ग का किया अवलोकन

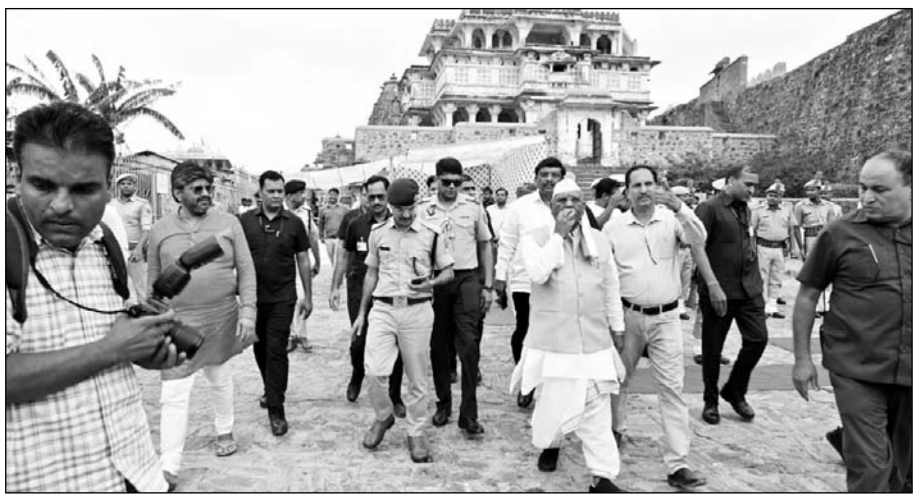
राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े विश्व प्रसिद्ध कुम्भलगढ दुर्ग का अवलोकन करते हुए।

**राजसमंद, (निसं)।** राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े गुरुवार को विश्व प्रसिद्ध कुम्भलगढ़ दुर्ग स्थित महाराणा प्रताप की जन्मस्थली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दुर्ग के विभिन्न भागों का पैदल ही अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने ऐतिहासिक धरोहर की भव्यता एवं स्थापत्य कला की सराहना की।

भ्रमण के दौरान राज्यपाल ने दुर्ग की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्ता के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कि इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए

■ राज्यपाल ने ऐतिहासिक धरोहर की भव्यता एवं स्थापत्य कला की सराहना की

अधिकाधिक प्रयास किए जाएं। राजस्थान की दुर्ग संस्कृति से जुड़ी महान विरासत से नई पीढ़ी को जोड़ा जाए। उन्होंने दुर्ग की विशाल प्राचीर तथा वहां के भव्य महलों, कुंभा के उपासना स्थल शिव मंदिर आदि को विश्व धरोहर के रूप में प्रचारित प्रसारित किए जाने पर जोर दिया।

राज्यपाल बागड़े ने कुम्भलगढ दुर्ग को अमूल्य धरोहर बताते हुए इसके संरक्षण एवं संवर्धन को प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण हमारी सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ करता है तथा भावी पीढ़ियों को अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित कराता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दुर्ग पर आने वाले देशी एवं विदेशी पर्यटकों के लिए सुविधाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के संबंध में आवश्यक निर्देश भी दिए।

हेरिटेज सोसायटी के सचिव कुबेर सिंह सोलंकी ने राज्यपाल को कुम्भलगढ़ दुर्ग के इतिहास, स्थापत्य मेवाड़ के विभिन्न शासकों के योगदान तथा दुर्ग से जुड़े विभिन्न ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने दुर्ग की विश्व स्तरीय पहचान, इसकी विशाल प्राचीर तथा पर्यटन की दृष्टि से इसके महत्व पर भी प्रकाश डाला। भ्रमण के दौरान कुम्भलगढ़ विधायक सुरेन्द्र सिंह राठौड, जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा, जिला पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि-अधिकारी उपस्थित रहे। कुम्भलगढ़ विधायक सुरेन्द्र सिंह राठौड के नेतृत्व में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने राज्यपाल का परंपरा के अनुसार स्वागत किया।

## शहरी सेवा शिविर आयोजित

नगर पालिका कपासन शहरी सेवा शिविर अभियान में 155 पट्टे जारी कर पट्टा वितरण में उदयपुर संभाग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

**कपासन, (निसं)।** नगर पालिका कपासन में शहरी सेवा शिविर अभियान के तहत वार्ड नंबर 11 के शिविर का आयोजन हुआ। पालिका कपासन ने 25 जून तक कुल शिविर में 155 पट्टे जारी कर पट्टा वितरण में सम्पूर्ण उदयपुर संभाग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है

अधिशाषी अधिकारी खेमराज सिंह गुर्जर ने बताया कि नगर पालिका कपासन में शहरी सेवा शिविर अभियान के तहत वार्ड नंबर 11 के शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में कुल 17 पट्टे,1 भवन निर्माण स्वीकृति , 3 नामांतरण जारी किए गए साथ ही शिविर में जन्म मृत्यु पंजीयन के 8 प्रकरणों व साफ सफाई एवं स्ट्रीट लाईट तथा पेयजल सम्बन्धी परिवादों का मौके पर ही निस्तारण किया गया अधिशाषी अधिकारी ने बताया कि 27 जून शनिवार को वार्ड नं 12 के शिविर का आयोजन नगर पालिका कार्यालय में किया जायेगा।

# जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिये किया प्रेरित

**बांसवाड़ा/लोहारिया, (निसं)।** ग्राम पंचायत सुजाजी का गढ़ा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में सभी विभागों अधिकारियों व कार्मिकों ने ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही वंचित लोगो को योजनाओं से जोड़ा। दिव्यांग महेन्द्र डामोर के जन आधार कार्ड में त्रुटि के कारण लंबे समय से पेंशन की समस्या का षिविर में निस्तारण किया गया। सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी ने मौके पर ही कार्यवाही की एवं ईमित्र संचालक प्रीतेश सुथार ने तत्काल कागजी प्रक्रिया पूर्ण की। अब जल्द ही सत्यापन होने के बाद पेंशन शुरू हो जाएगी।

षिविर में पशु पालन विभाग की ओर से 10 पशु मालिको को बीमा योजना के तहत पॉलिसी प्रदान की गयी। ग्रामीण प्रतिनिधि ने षिविर में एसडीएम श्रवण सिंह राठौड को गांव में बंद पड़ी पीएचडी विभाग की टंकी, नल योजना शुरू करने की मांग की जिस पर मौके पर ही विभाग के अधिकारी निर्देशित किया गया। राशन डीलर ने खाद्य सुरक्षा योजना से वंचित लोगो को जोड़ने के साथ ही षेश ग्रामीणों की ईकेवाईसी की। षिविर में पशु पालन विभाग से पशु केन्द्र खोलने, लैंप्स समिति के लिए भूमि चिन्हित करने, भवन बनाने की भी ग्रामीणों ने मांग की। अतिरिक्त विकास अधिकारी गढ़ी सोहन चरपोटा ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए इनका लाभ लेने के लिये प्रेरित किया।

साथ ही ग्रामीण विकास कार्य के साथ ही बरसात ऋतु में नाली सफाई व आवश्यक कार्यो के लिये ग्राम सभा में प्रस्ताव कराने, नरेगा योजना में श्रमिको को रोजगार, पौधा रोपण अभियान के तहत बरसात ऋतु में 1000 हजार पौधे रोपने सहित अन्य योजनाओं का लाभ लेने के लिये ग्रामीणों को जागरूक किया।

शिविर में ग्राम पंचायत प्रशासक सोमेश्वर सोलंकी, गढ़ी नायब तहसीलदार मणिलाल पाटीदार, बांसवाड़ा रोडवेज विभाग से दिलीप सिंह, भू अभिलेख पालोदा उम्मेद सिंह राठौड़, जेईएन गौरव पंड्या, प्रकाश बुनकर, लैंप्स अध्यक्ष छत्र सिंह राठौड़, गौतम लाल नायक, पूर्व उप प्रशासक यशपाल सिंह राठौड़, सामाजिक कार्यकर्ता जगपाल सिंह राठौड़, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी भोलानाथ प्रसाद, रोजगार सचिव अरविंद सावड़ा, नीतेश यादव, बहादूर सिंह राठौड़, भारत सिंह राठौड़, हड़मत सिंह राठौड़, अभिषेक यादव, गणेश दास वैष्णव, कैलाश पंचोली, दिनेश नायक, वार्ड पंच गौतम बुझ, चिकित्सा विभाग से आर्युवेदिक चिकित्सा अधिकारी खोड़न पदमेंद्र पंचोरी, पशु पालन विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, पुलिस थाना लोहारीया से पुलिस विभाग ग्रामीण जन प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

# चेक अनादरण मामले में आरोपी को 1 वर्ष का कारावास

**उदयपुर, (कासं)।** विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट (एनआई एक्ट प्रकरण) न्यायालय संख्या.8, उदयपुर की पीठासीन अधिकारी चेताली गोयल, आरजेएस ने चेक अनादरण के एक मामले में अभियुक्त को दोषी करार देते हुए एक वर्ष के साधारण कारावास तथा परिवादी को 5 लाख रूपये क्षतिपूर्ति राशि अदा करने का आदेश दिया है।

प्रकरण के अनुसार परिवादी जयेश ने न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत कर बताया कि अभियुक्त राजेश के साथ उसकी अच्छी जान.पहचान थी तथा उसकी आवश्यकता पर 4 लाख रूपये नकद उधार दिए थे। उक्त राशि के भुगतान के लिए अभियुक्त ने 14 मार्च 2013 दिनांकित 4 लाख रूपये का चेक जारी किया था।चेक बैंक में प्रस्तुत करने पर अनादरित हो गया। अभियुक्त के अनुरोध पर चेक को पुनः बैंक में प्रस्तुत किया गया लेकिन दूसरी बार भी बैंक ने उसे फंड्स इंसफिशिएंट की टिप्पणी के साथ वापस लौटा दिया। इसके बाद परिवादी ने अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से विधिक नोटिस भिजवाया, किंतु नोटिस प्राप्त होने के बावजूद अभियुक्त ने निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं किया।

इसके बाद परिवादी की ओर से अधिवक्ता आशीष कोठारी,विनय सारस्वत, सुनील कल्याणा एवं मनीष कुमार चौबीसा ने परिवाद न्यायालय में प्रस्तुत किया। विचारण के दौरान परिवादी ने मूल चेक, बैंक रिटर्न मेमो, विधिक नोटिस एवं डाक रसीद सहित दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए। वहीं अभियुक्त ने न तो परिवादी से जिरह की और न ही अपने बचाव में कोई मौखिक अथवा दस्तावेजी साक्ष्य पेश की। धारा 313 दण्ड प्रक्रिया संहिता के तहत उसने केवल इतना कहा कि उसके विरुद्ध झूठा मामला दर्ज किया गया है। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर माना कि अभियुक्त धारा 139 परक्राम्य लिखत अधिनियम के तहत उत्पन्न वैधानिक उपधारणा का खंडन करने में असफल रहा।

## निगम आयुक्त ने फिर किया मदार नहर का अवलोकन

**उदयपुर, (कासं)।** आगामी मानसून को देखते हुए नगर निगम उदयपुर द्वारा शहर की प्रमुख जल निकासी एवं जल आपूर्ति स्त्रोतों की सफाई का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने स्वास्थ्य अधिकारी सत्यनारायण शर्मा के साथ फतहसागर झील को भरने वाली महत्वपूर्ण मदार नहर का पुनः निरीक्षण किया तथा चल रहे सफाई कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने नहर के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन कर उन स्थानों को चिन्हित किया जहां अभी और सफाई की आवश्यकता है। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि शेष सफाई कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए जिससे वर्षा ऋतु के दौरान नहर में जल प्रवाह किसी भी प्रकार से बाधित न हो। निरीक्षण के दौरान आयुक्त द्वारा दिए निर्देश की पालना में स्वास्थ्य अधिकारी ने अतिरिक्त सफाई करवाते हुए लगभग पांच डंपर कचरा, झाडि़यां एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री नहर से बाहर निकलवाई गई। आयुक्त अभिषेक खन्ना ने बताया कि मदार नहर फतहसागर झील को भरने का प्रमुख स्त्रोत है, इसलिए इसकी नियमित सफाई और रखरखाव अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि सफाई कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए।

## सार-समाचार

### युवक की संदिग्धावस्था में मौत

**डूंगरपुर, (निसं)।** डूंगरपुर के युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक घर के आंगन में खाट पर मृत मिला। घटना को लेकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मृतक की मां ने दोवड़ा थाने में लिखित शिकायत भी दर्ज करवाई है। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर जांच शुरू कर दी है। दोवडा थानान्तर्गत समोता का ओडा निवासी हुका परमार मीणा की ओर से रिपोर्ट में बताया कि उसकी भाभी रूपली ने फोन कर उसे घर बुलाया। वहां पहुंचने पर उसने देखा कि मुकेश घर के आंगन में नीम के पेड़ के नीचे खाट पर लेटा हुआ था। भाभी ने बताया कि मुकेश उठ नहीं रहा है। इसके बाद परिवार के अन्य लोगों को बुलाकर उसे जगाने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों के अनुसार मुकेश करीब 10 दिन पहले अहमदाबाद से गांव लौटा था। पिछले तीन दिनों से वह पड़ोसी दिनेश के घर नींव खुदाई के काम पर जा रहा था। बताया गया कि घटना से पहले रात में वह शराब के नशे में स्कूटी से घर आया था और हल्ला करने के बाद सो गया था। मृतक के परिजनों ने उसकी मौत को संदिग्ध बताते हुए मामले की गहन जांच की मांग की है। परिजनों का कहना है कि मुकेश की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा होना चाहिए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करवाया है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है और मौत के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

### महिला सुरक्षा संकल्प अभियान 1 जुलाई से

**बांसवाड़ा, (निसं)।** राज्य में महिला सुरक्षा से संबंधित मुद्दों एवं राजस्थान पुलिस की ओर से महिला सुरक्षा के लिये उठाये जा रहे विभिन्न उपायों के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के लिये 1 से 29 जुलाई तक राज्य स्तरीय कार्यक्रम संचालित किया जायेगा। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोषी ने बताया कि अभियान के तहत हर नारी सुरक्षित तभी समाज विकसित ध्येय वाक्य को लेकर जिले में भी व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाये जायेंगे। ध्यान रहे कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राजस्थान पुलिस विषेश अभियान चला रही है। महिला सुरक्षा संकल्प अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, हेल्पलाईन सेवाओं तथा कानून संबंधी जानकारियां दी जायेगी। जोषी ने बताया कि कालिका पेट्रोलिंग यूनिट सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिष्चित करने में सक्रिय भूमिका निभा रही है। इसी तरह महिलाओं के लिये महत्वपूर्ण हेल्पलाईन नंबर, आपातकालीन सहायता के लिये 112, महिला हेल्पलाईन के लिये 181 एवं साईबर फ्रॉड हेल्पलाईन के लिये 1930 नंबर जारी किया गया है। इस दौरान विद्यालयों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों पर संवाद एवं जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जायेगी। इसी तरह सुरक्षा सखी अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारियां दी जा रही है वहीं पुलिस और समुदाय के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने के साथ ही महिलाओं को अपराध की रिपोर्टिंग के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा प्रषिक्षण, जागरूकता रैली, जन संवाद कार्यक्रम आदि के माध्यम से भी महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने आषा व्यक्त की कि यह अभियान महिलाओं को आत्मविष्वासी बनायेगा।

### 26 आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन तैनात

**उदयपुर, (कासं)।** होंडा इंडिया फाउंडेशन ने आज जिले के प्रमुख क्षेत्रों में बेहतर गतिशीलता का समर्थन करने के लिए उदयपुर पुलिस के लिए 26 आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहनों को हरी झंडी दिखाई।तैनाती में 25 होंडा शाइन 100 मोटरसाइकिल और 1 होंडा एलिवेट कार शामिल हैं, जिन्हें विशेष रूप से पुलिस उपयोग के लिए संशोधित किया गया है। वाहनों का उद्देश्य पर्यटक-भारी क्षेत्रों, शहरी क्षेत्रों और अन्य स्थानों पर संचालित करना है जहां चुस्त पहुंच महत्वपूर्ण है।यह पहल फरवरी 2026 में उदयपुर पुलिस को होंडा इंडिया फाउंडेशन के पहले के समर्थन पर भी आधारित है, जब भीड़ प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा का समर्थन करने के लिए पर्यटक गश्ती दल के लिए 25 वाहन प्रदान किए गए थे। साथ में, ये प्रयास सामुदायिक समर्थन प्रणालियों को मजबूत करने वाली व्यावहारिक पहलों को सक्षम करने के लिए एचआईएफ की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।गौरव अग्रवाल, आईएएस, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर, उदयपुर, गौरव श्रीवास्तव, आईपीएस, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस, उदयपुर रेंज, डॉ. अमृता दुहन, आईपीएस, सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस, उदयपुर और राजीव तनेजा, ऑपरेटिंग ऑफिसर, होंडा इंडिया फाउंडेशन सहित कई लोग शामिल हुए।

### महिला कांस्टेबल निलम्बित

**डूंगरपुर, (निसं)।** जिले में एक महिला कॉन्स्टेबल को पीड़ित के सामने टेबल पर पैर रखकर बैठने के मामले में निलम्बित कर दिया है। बिछीवाडा थाने की इस महिला कांस्टेबल का फोटो सोशल मीडिया पर शेयर होने के बाद पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठे थे। फोटो में एक बुजुर्ग व्यक्ति अपनी शिकायत लेकर थाने पहुंचा हुआ दिखाई दे रहा है। उसके सामने बैठी महिला पुलिसकर्मी बेहद असहज और गैर-पेशेवर अंदाज में कुर्सी पर बैठी नजर आ रही है। पीडित के सामने इस तरह का व्यवहार सोशल मीडिया पर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। कई यूजर्स ने नाराजगी जताते हुए इसे पुलिस की छवि धूमिल करने वाला कृत्य बताया और सम्मानजनक व्यवहार की नसीहत दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए डूंगरपुर एसपी ने तत्काल कार्रवाई की। बिछीवाडा थाने की महिला कॉन्स्टेबल रीना गर्ग को निलम्बित कर दिया है।

### आंगनबाड़ी केंद्र को मिला पट्टा

**बांसवाड़ा, (निसं)।** ग्रामीण सेवा शिविर के तहत तलवाड़ा की ग्राम पंचायत सुन्दनपुर में आयोजित शिविर के दौरान सुन्दनपुर में संचालित आंगनवाड़ी केंद्र को भूमि का पट्टा जारी कर आंगनवाड़ी भवन निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। ध्यान रहे कि आंगनवाड़ी केंद्र सुन्दनपुर लंबे समय से संचालित हो रहा था लेकिन केंद्र के नाम भूमि का पट्टा नहीं होने के कारण नवीन भवन की स्वीकृति नहीं मिल पा रही थी।

# सीएमएचओ डॉ. राठौड़ ने स्वास्थ्य केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

**बांसवाड़ा, (निसं)।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. खुशपाल सिंह राठौड़ ने क्षेत्र के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों और एमसीएचएन सत्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जहां कमियां मिली वहां सुधारने कि हिदायत दी वहीं बेहतरीन कार्य करने वाले स्टाफ की हौसला अफजाई भी की। सीएमएचओ डॉ. राठौड़ ने खांदू कॉलोनी और आम्बावाडी में चल रहे एमसीएचएन सत्र का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान वहां पर ड्यू लिस्ट न मिलने और आशा सहयोगिनियों के अनुपस्थित रहने पर डॉ. राठौड़ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि एमसीएचएन सत्र

■ सब-सेंटर की व्यवस्थाओं की सराहना

के दौरान आशा सहयोगिनियों की उपस्थिति अनिवार्य रहे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की ड्यू लिस्ट सत्र स्थल पर अनिवार्य रूप से उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने शहरी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वनिता त्रिवेदी को सख्त मॉनिटरिंग और कार्यों के प्रमाणीकरण करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी आशाओं और संबंधित स्टाफ को पाबंद किया जाए

खोड़न अस्पताल के निरीक्षण के दौरान जानकारी लेते सीएमएचओ डॉ. खुशपाल सिंह राठौड़।

ताकि सत्र पर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध रहें। हालांकि दोनों स्थान पर आमजन को बेहतर सेवाएं मिल रही थी।

इसके बाद डॉ. खुशपाल सिंह राठौड़ ने अरथुना क्षेत्र के पारसोलिया सब-सेंटर का औचक निरीक्षण किया। यहां निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद और उच्च स्तरीय पाई गईं। चिकित्सा कर्मियों के समर्पण और बेहतर प्रबंधन को देखकर सीएमएचओ ने स्टाफ की तारीफ कर उनका उत्साहवर्धन किया। सीएमएचओ ने खोड़न अस्पताल और वहां संचालित एमसीएचएन सत्र का निरीक्षण करते हुए अस्पताल की सामान्य स्वास्थ्य सुविधाएं और व्यवस्थाएं देखी।

निरीक्षण के दौरान डॉ. राठौड़ के सामने अस्पताल की छत से पानी टपकने की समस्या सामने आई। इस पर संवेदनशीलता दिखाते हुए उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को बीसीएमओ एवं एनएचएम सिविल विभाग से समन्वय बनाकर इस समस्या का तुरंत समाधान करने के निर्देष देते हुए कहा कि जहां-जहां पानी टपकता है वहां उचित मरम्मत करवाकर मरीजों व स्टाफ को राहत दी जाए।

## शिविरों में मौके पर हुए समाधान

**उदयपुर, (कासं)।** राज्य सरकार के ग्रामीण सेवा शिविर अभियान के तहत गुरुवार को जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया। जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने बताया कि गुरुवार को बारापाल तहसील की ग्राम पंचायत खरपीणा, कुराबड़ की वलूभ, बड़गांव की बड़ी, मावली की नामरी एवं सालेराकलां, वलूभनगर की मेनार, कानोड़ की सालेड़ा, गोगुंदा की जसवंतगढ़, सायरा की पादराडा, झाड़ोल की अटाटिया एवं पीलक, फलासिया की सडा, खेरवाड़ा की लराठी, नयागांव की नयागांव, ऋषभदेव की परेड़ा तथा कोटड़ा की नयावास, खुणा एवं जोगीवाड़ ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए गए, जहां आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण किया गया।

खेरवाड़ा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत लराठी में आयोजित शिविर के दौरान लक्ष्मणलाल मीणा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के पात्र पाए गए, लेकिन उन्होंने अब तक योजना के लिए आवेदन नहीं किया था। शिविर प्रभारी विकास अधिकारी मदनलाल एवं तहसीलदार रेवाराम भील के निर्देश पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की सूचना सहायक नर्गिस बानू ने तत्काल राजएसएसपी एप के माध्यम से उनका आवेदन दर्ज किया।

दौरान लक्ष्मणलाल मीणा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के पात्र पाए गए, लेकिन उन्होंने अब तक योजना के लिए आवेदन नहीं किया था। शिविर प्रभारी विकास अधिकारी मदनलाल एवं तहसीलदार रेवाराम भील के निर्देश पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की सूचना सहायक नर्गिस बानू ने तत्काल राजएसएसपी एप के माध्यम से उनका आवेदन दर्ज किया।

# राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का प्रतिनिधिमंडल केन्द्रीय शिक्षा मंत्री से मिला

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भेंट कर विद्यालयी एवं उच्च शिक्षा से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा करते राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ।

**डूंगरपुर, (निसं)।** अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भेंट कर विद्यालयी एवं उच्च शिक्षा से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की तथा शिक्षक समाज एवं शिक्षा जगत की प्रमुख चिंताओं और अपेक्षाओं से उन्हें अवगत कराया।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ विद्यालय शिक्षा के जिलाध्यक्ष शंकरलाल कटारा व महामंत्री सुदर्शन सिंह चौहान ने संयुक्त रूप से बताया कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के समक्ष वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता के विषय को प्रमुखता से उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षक समाज की चिंताओं, विधिक तथ्यों, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों तथा मानवीय पक्ष को विस्तार से प्रस्तुत करते हुए आग्रह किया कि लंबे समय से सेवाएँ दे रहे शिक्षकों के हितों की रक्षा करते हुए इस विषय पर न्यायसंगत, व्यावहारिक एवं संवेदनशील निर्णय लिया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 के संबंध में भी महासंघ के सुझाव एवं अपेक्षाएं मंत्री के समक्ष रखीं। चर्चा के दौरान उच्च शिक्षा में संस्थागत स्वायत्तता, गुणवत्ता संवर्धन, शिक्षक हितों का संरक्षण, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व, राज्यों एवं विभिन्न हितधारकों की सहभागिता, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहन तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन से जुडे विषयों पर विशेष बल दिया गया। महासंघ ने सुझाव दिया कि प्रस्तावित विधेयक को ऐसा स्वरूप दिया जाए जो भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक सक्षम, समावेशी, उत्तरदायी एवं राष्ट्रहितकारी बना सके।

# कांग्रेस की बैठक आज

**डूंगरपुर,** (कासं)। राहुल गांधी के नेतृत्व में छात्रों की गूंज अभियान के तहत पीसीसी के निर्देशानुसार डूंगरपुर कांग्रेस पार्टी की बैठक 26 जून को सुबह 11 बजे वागड गांधी वाटिका हॉल डूंगरपुर में जिलाध्यक्ष गणेश घोघरा की अध्यक्षता में रखी गई है। संगठन महासचिव नारायण पंड्या ने बताया कि बैठक में पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्रीसहित समस्त युवा कांग्रेस, सेवादल, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं अग्रिम संगठनो के पदाधिकारी और कांग्रेसजन भाग लेंगे।

राजस्थान सरकार
ग्रामीण विकास एंव पंचायती राज विभाग

## कार्यालय ग्राम पंचायत ढ़ावा

पंचायत समिति वल्लभनगर, जिला- उदयपुर (राज.)

क्रमांक : ग्रा.प.ढ़ा/2026-27/22987558 दिनांक : 25.6.2026

-: खुली निविदा सूचना वर्ष 2026-27 :-

ग्राम पंचायत ढावा में विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु इच्छुक एवं सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से खुली निविदा द्वारा निविदाएं दिनांक 03.07.2026 तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारी sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No PSV2627A0008

प्रशासक, ग्राम पंचायत ढ़ावा, पंचायत समिति वल्लभनगर — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत ढ़ावा, पंचायत समिति वल्लभनगर

## कार्यालय ग्राम पंचायत ऋषभदेव पंचायत समिति ऋषभदेव जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक:- 113 दिनांक- 24.04.2026

-: खुली बोली ई निविदा सूचना :

ग्राम पंचायत ऋषभदेव पंचायत समिति ऋषभदेव में निर्माण कार्यो हेतु इच्छुक एवं उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई निविदा दिनांक 06.07.2026 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारी sppp.rajasthan.gov.in वeproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

| NIT Code | UBN Code | TENDERID |
|---|---|---|
| ZUD2627A1011 | ZUD2627WSOB01305 | 2026_PRD_570890_1 |

प्रशासक, ग्राम पंचायत ऋषभदेव, पं.स.ऋषभदेव,जि.उदयपुर(राज.) — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत ऋषभदेव, पं.स.ऋषभदेव,जि.उदयपुर(राज.)

## कार्यालय ग्राम पंचायत, तरपाल

पंचायत समिति, सायरा जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक: 16 दिनांक: 26.05.26

-: ई- निविदा सूचना :-

ग्राम पंचायत तरपाल के लिए स्वीकृत कार्य हेतु दिनांक 02.07.26 को सायं 6.00 बजे तक ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारीsppp.rajasthan.gov.in वeproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

| क्र.सं. | कार्य का नाम | UBN NO. |
|---|---|---|
| 1. | नरेगा/VBRRAM-G, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज योजनाओं में कराये जाने वाले निर्माण कार्यो में सामग्री आपूर्ति | ZUD2627GLRC01271 |

प्रशासक, ग्राम पंचायत - तरपाल, पं.स.सायरा,जिला-उदयपुर — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत - तरपाल, पं.स.सायरा,जिला-उदयपुर

## कार्यालय ग्राम पंचायत उगमणा कोटडा पंचायत समिति ऋषभदेव जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक:- 58 दिनांक- 22.06.2026

-: ई निविदा सूचना- 01/2026-27 :-

ग्राम पंचायत उगमणा कोटडा में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 06.07.26 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB No 1. ZUD2627A0988
Tender ID 2026_PRD_570487_1
UBN No. 1. ZUD2627GLOB01283

प्रशासक, ग्राम पंचायत उगमणा कोटड़ा, पं.स. ऋषभदेव, जि. उदयपुर — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत उगमणा कोटड़ा, पं.स. ऋषभदेव, जि. उदयपुर

## कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email: np_ntd@yahoo.in Phone:- 02953-233526

क्रमांक /न.पा.नाथ/नामा./2026/3455 दिनांक : 25.6.2026

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 07 दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी :-

| क्र. सं. | आवेदक का नाम व पता | आवेदित सम्पत्ति का पता | पड़ौस का विवरण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | पूर्व | पश्चिम | उत्तर | दक्षिण |
| 1. | श्री मोहनलाल पिता श्री तोलाराम एवं श्री दिनेश उर्फ श्री दिनेश शंकर पुरोहित पिता श्री शंकर लाल पुरोहित निवासी-नाथद्वारा | भूखण्ड संख्या-468 क्षैत्रफल- 1250 वर्गफिट, सुखाडिया नगर, नाथद्वारा | आम रास्ता | भूखण्ड संख्या- 458 | भूखण्ड संख्या- 469 | श्री नरोत्तम शर्मा का मकान |
| 2. | श्री तुलसी राम यादव पिता श्री भंवरलाल निवासी-यादव मोहल्ला | भूखण्ड क्षैत्रफल-900 वर्गफिट, यादव बस्ती नाथद्वारा | रास्ता | मकान श्री बिहारी लाल | मकान श्री हरिलाल | मकान श्री फुलचन्द |
| 3. | श्रीमती द्रौपदी पुरोहित पत्नि श्री मदनलाल पुरोहित | भूखण्ड संख्या- 44 क्षैत्रफल- 1225 वर्गफिट, कर्मचारी कॉलोनी, नाथद्वारा | 30 फिट रोड | पड़त भूमि उसके आगे रास्ता 15 फिट | पड़त भूमि | मकान श्री गिरधारी लालजी |

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

# आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय : राजेन्द्र राठौड़

■ संविधान हत्या दिवस पर भाजपा की संभाग स्तरीय विचार गोष्ठी हुई

**उदयपुर,** (कासं)। संविधान हत्या दिवस के अवसर पर गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी उदयपुर संभाग द्वारा बलीचा दक्षिण विस्तार स्थित भाजपा के नवीन कार्यालय में संभाग स्तरीय विचार गोष्ठी एवं लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल की विभीषिका को स्मरण करते हुए लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को नमन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ थे, जबकि प्रदेश उपाध्यक्ष एवं उदयपुर संभाग प्रभारी नाहर सिंह जोधा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।मुख्य वक्ता राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि 25 जून 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में काले अक्षरों में दर्ज है। तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सत्ता बचाने के लिए संविधान की मूल भावना को कुचलते हुए देशवासियों के मौलिक अधिकार छीन लिए थे। हजारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं,पत्रकारों,सामाजिक कार्यकर्ताओं और राष्ट्रवादी विचारधारा के लोगों को जेलों में डालकर लोकतंत्र का गला घोंटने का प्रयास किया गया। लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और त्याग के कारण ही भारत पुनः लोकतांत्रिक मूल्यों की ओर लौट सका। नई पीढ़ी को आपातकाल की सच्चाई जानना और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदैव सजग रहना आवश्यक है।उन्होंने कहा कि आपातकाल की पीड़ा केवल जेलों में बंद लोकतंत्र सेनानियों तक सीमित नहीं थी बल्कि उनके परिवारों ने भी असहनीय कष्ट झेले। कई घरों के कमाने वाले सदस्य जेल में थे माताओं ने अपने बच्चों को अभावों में पाला बहनों ने अपने भाइयों की प्रतीक्षा की और पत्नियों ने संघर्ष एवं त्याग की मिसाल प्रस्तुत की। लोकतंत्र की रक्षा के लिए दिए गए इन बलिदानों को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

राठौड़ ने कहा कि आज जब हम स्वतंत्र वातावरण में अपने विचार व्यक्त कर रहे हैं तब हमें उन लोकतंत्र सेनानियों का स्मरण अवश्य करना चाहिए जिन्होंने व्यक्तिगत सुख.सुविधाओं का त्याग कर भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बचाने के लिए संघर्ष किया। उनका त्याग और तपस्या आने वाली पीढि़यों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। लोकतंत्र हमें विरासत में नहीं मिला बल्कि असंख्य देशभक्तों के संघर्ष और बलिदान से सुरक्षित हुआ है। विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी नाहर सिंह जोधा ने अपने संबोधन में कहा कि ष्आपातकाल केवल राजनीतिक घटना नहीं थी बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक चेतना पर किया गया सबसे बड़ा प्रहार था। प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया, न्यायपालिका पर दबाव बनाया गया और नागरिक अधिकारों को समाप्त कर दिया गया। लोकतंत्र सेनानियों और उनके परिवारों ने जो कष्ट सहन किएए वह आने वाली पीढि़यों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

## मॉक ड्रिल आयोजित

**उदयपुर,** (कासं)। वर्षाकाल के दौरान संभावित आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से गुरुवार प्रातः 11 बजे उदयसागर बांध पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मॉक ड्रिल के तहत जल संसाधन विभाग के सहायक अभियंता राजेश कुमार एवं कनिष्ठ अभियंता अजय सिंह गुर्जर ने सायरन बजाकर आसपास के क्षेत्र के लोगों को सचेत किया तथा बाढ़ नियंत्रण कक्ष एवं पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना प्रेषित की। सूचना प्राप्त होते ही उपखण्ड अधिकारी गिर्वा श्री ए. साईकृष्ण, डीवाईएसपी छवि शर्मा, पुलिस जाब्ता, नागरिक सुरक्षा दल, एसडीआरएफ एवं सेना के दल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया।

# दस महीने पहले बने पुल में दरार, जांच शुरू

■ ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने की थी शिकायत

**उदयपुर,** (कासं)। उदयपुर के नयागांव क्षेत्र में तीन पट्टा मोड से सरेरा जाने वाले रास्ते पर तालाब के पानी से गुजरने के लिए पुराने पुल पर बनाए नए पुल में दस महीने में ही दरार आ गई। मामला कलेक्टर की जनसुनवाई में आया तो कलेक्टरमौका देखकर आए और वहीं से जांच के आदेश दिए। अब जिला परिषद की एक टीम ने इस पुल निर्माण में क्वालिटी की जांच शुरू की।टीम ने निर्माण कार्य को लेकर निर्माण सामग्री के सैंपल भी लिए।

असल में ग्रामीणों से लेकर जनप्रतिनिधियों ने इस बात की शिकायत थी,कि सरेरा ग्राम पंचायत में डाडमिया पुल के निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया और उसका सीधा तौर पर पुल को नुकसान पहुंचा और आठ महीने में ही पुल में दरार आ गई।नयागांव में 11 जून को उदयपुर कलेक्टर गौरव अग्रवाल की जनसुनवाई थी। इस दौरान इस पुल का मुद्दा उठाने वाले लोगों ने जनसुनवाई में कलेक्टर को पूरी स्थिति बताई।उन्होंने कहा कि दरारें बढ़ रही है कभी पुल ढह जाए तो हादसा हो जाएगा। जनसुनवाई खत्म होने के बाद कलेक्टर अग्रवाल वहां से पुल देखने मौके पर पहुंच गए। वहां से उन्होंने जिला परिषद को इसकी जांच कराने केनिर्देश दिए।

इसी क्रम में जिला परिषद उदयपुर से एक तकनीकी टीम जांच के लिए मौके पर पहुंची। टीम ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया और कोर कटिंग मशीन का उपयोग करते हुए तीन अलग.अलग स्थानों से कंक्रीट और अन्य सामग्री के नमूने इकट्ठा किए। उदयपुर जिला परिषद की इस जांच टीम में आशीष धाकड़. प्रियंका चपलोत, धर्मेश लोहार और हेमंत चौबीसा भी शामिल थे। मौके पर ग्राम पंचायत सरेरा के रोजगार सहायक नरेश लबाना,वार्ड पंच मनीष भगोरा, सहित गांव के अन्य ग्रामीण भी उपस्थित रहे और उन्होंने टीम को पुल में आई दरार बताई।

# अग्नि सुरक्षा मापदंडों में लापरवाही पर तीन होटल व एक रेस्टोरेंट को किया सीज

**उदयपुर,** (कासं)। नगर निगम अग्निशमन विभाग की शहर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार दूसरे दिन भी सख्त कार्रवाई जारी रही। निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना के निर्देश पर अग्निशमन विभाग की टीम ने अग्नि सुरक्षा नियमों की लगातार अवहेलना करने तथा पूर्व में जारी नोटिसों की अनुपालना नहीं करने वाले चार प्रतिष्ठानों को सीज किया गया।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने बताया कि अग्नि सुरक्षा मानकों को लेकर निगम द्वारा पिछले कई समय से एक अभियान चलाया जा रहा हैं। इस अभियान में पहले सभी प्रतिष्ठानों को अपने परिसर में अग्नि सुरक्षा संबंधित उपकरण स्थापित करने हेतु अपील की गई थी उसके बाद नोटिस जारी किए गए उसके उपरान्त भी कई प्रतिष्ठानों ने सभी को अनदेखा करते हुए लापरवाही की। इसी के चलते मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी के नेतृत्व में गुरुवार को कार्रवाई करते हुए सेक्टर.3 स्थित मीरा होटल, गुलाब बाग स्थित ग्रैंड सीता होटल,सेक्टर.14 स्थित एक रेस्टोरेंट तथा सेक्टर.3 सेवा आश्रम स्थित ग्रैंड गिफ्ट कॉम्प्लेक्स में संचालित कोचिंग को अग्नि आपातकालीन सुरक्षा प्रावधानों के तहत सीज किया गया।इस दौरान अग्निशमन अधिकारी शिवराम मीणा,सहायक अग्निशमन अधिकारी नवदीप सिंह बग्गा तथा निगम पुलिस निरीक्षक मंगीलाल डांगी एवं भारी जाब्ता मौजूद रहा।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि पूर्व में किए निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों में आवश्यक अग्निशमन उपकरणों की कमी, आपातकालीन निकास व्यवस्था का अभाव, फायर सेफ्टी मानकों की अनुपालना नहीं होना तथा अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाण.पत्र प्राप्त नहीं करना पाया गया। विभाग द्वारा पूर्व में संबंधित संचालकों को नोटिस जारी कर आवश्यक अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए थेए लेकिन निर्धारित समयावधि में आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई नहीं किए जाने पर एवं आमजन के जानमाल की रक्षा हेतु यह कठोर कदम उठाया गया।

## मोहर्रम (ताजिया) पर्व आज

**डूंगरपुर,** (निसं)। मुस्लिम समुदाय का मुकद्दस त्यौहार मोहर्रम (ताजिया) प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्वा के साथ 26 जून शुक्रवार को मनाया जायेगा। मोहर्रम पर्व के तहत 25 जून रात्रि 1० बजे घाटी से आसुरा (शहादत) की रात को मदिना मस्जिद से मोहर्रम का जुलूस निकाला गया। वही घाटी से होते हुए हाजीपुरा,छिपा (बोहरवाडी) गली होते कोतवाली पहुंचा। जहां लालपुरा व फराशवाडा के मोहर्रम का भी रात्रि को ठहराव रहा। इसके पश्चात रात्रि 1 बजे यहां से पुनः तीनों मोहर्रम को अपने मोहल्लों के लिए रवाना हुए। इसीक्रम में 26 जून शुक्रवार को मोहर्रम का जुलूस घाटी स्थित मदिना मस्जिद से ठीक 10 बजे प्रारंभ होगा।

# आरजीएचएस स्कीम में मुफ्त की बजाय पैसे वसूलकर किया इलाज

■ निजी पारस हॉस्पिटल की गंभीर लापरवाही

■ शिकायत के बाद प्रशासन ने वसूली राशि लौटाने को किया पाबंद

**उदयपुर,** (कासं)। उदयपुर में शोभागपुरा स्थित निजी पारस हॉस्पिटल ने सरकार की राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) के तहत सरकारी कर्मचारी और पेंशनर्स रोगियों को मुफ्त इलाज देने के बजाय उनसे पैसे वसूल लिए। रोगियों के परिजनों ने जब इसकी शिकायत जिला प्रशासन और चिकित्सा विभाग को की तो प्रशासन ने इसे राज्य सरकार की योजना के नियमों का गंभीर उल्लंघन माना।

प्रशासन ने हॉस्पिटल की लापरवाही मानते हुए उसे रोगियों से ली गई राशि वापस लौटाने की हिदायत दी है। ऐसे में करीब 5 केस सामने आए हैं जिन्हें पारस हॉस्पिटल ने आरजीएचएसके तहत मुफ्त इलाज देने से साफ मना कर दिया। कुल 5 में से 3 रोगियों के परिजनों को मजबूरन नकद पैसे जमा कराने पड़े। एक के इलाज में गंभीर लापरवाही बरती गई। वहीं, एक केस आयुष्मान आरोग्य योजना में पैसे लेकर इलाज करने का था।

सीएमएचओ डॉ अशोक आदित्य के अनुसार आरजीएचएस योजना के तहत अधिकृत कोई भी निजी हॉस्पिटल योग्य लाभार्थी को इलाज के लिए मना नहीं कर सकता। ऐसाकरने पर इस योजना का उल्लंघन माना जाएगा। अगर वापस पारस हॉस्पिटल में ऐसी लापरवाही सामने आती है तो लाइसेंस निरस्तगी की कार्रवाई की जा सकती है। सभी हॉस्पिटल्स को भी इस संबंध में निर्देश दिए हैं कि वे राज्य सरकार की चिकित्सा योजनाओं की सख्ती से पालना करें। विभाग इस पर पूरी तरह मॉनिटरिंग कर रहा है।

रेवेन्यू विभाग से सेवानिवृत कर्मचारी सुरेश मानावत के अनुसार दिसंबर 2022 में मेरी पत्नी की सीरियस हालत होने पर इलाज के लिए पारस हॉस्पिटल लेकर गए थे। एंट्री कराते समय हमें हॉस्पिटल स्टाफ ने कहा था कि कि नकद पैसा जमा कराएंगे तभी इलाज होगा। हमने योजना से जुड़े सारे कागज दिखाए लेकिन स्टाफ नहीं माना। मेरी पत्नी की कंडीशन ऐसी थी कि उन्हें जल्द इलाज की जरूरत थी। ऐसे में मजबूरन 28092 रुपए जमा कराकर इलाज कराना पड़ा।

आपको बतादें कि आरजीएचएसके तहत इलाज पूरी तरह से कैशलेस यानी मुफ्त है। रोगी के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार सीधे हॉस्पिटल को भुगतान करती है। योजना के तहत सामान्य बीमारियों के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज होता है।गंभीर.जानलेवा बीमारियों के लिए 5 लाख का अतिरिक्त कवर दिया जाता है। इस योजना में वर्ततान कर्मचारी, पेंशनर्स,विधायक,पूर्व विधायक, न्यायिक सेवा के कार्यरत व सेवानिवृत न्यायाधीश,भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, पेंशनर्स, कर्मचारियों के आश्रित परिजन (6000 रुपए मासिक आय से कम हो) आदि शामिल हैं।

## कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email: np_ntd@yahoo.in Phone:- 02953-233526

क्रमांक /न.पा.नाथ/तामिर/2026/3452 दिनांक :25.6.2026

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुद्वा/पट्टा शुद्वा के आधार पर प्राप्त भूखण्ड/भवन का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर भवन निर्माण में कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 7 दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी :-

| क्र. सं. | आवेदक का नाम व पता | आवेदित सम्पत्ति का पता | पड़ौस का विवरण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | पूर्व | पश्चिम | उत्तर | दक्षिण |
| 1. | श्री शिव चौधरी पिता श्री पुष्पेन्द्र सिंह चौधरी निवासी- चितरवाडा, जाट पायसा, नाथद्वारा | भूखण्ड संख्या- 1 ए क्षैत्रफल- 615 वर्गफिट, चितरवाडा, जाट पायसा, नाथद्वारा | भूखण्ड संख्या- 1बी | भूखण्ड श्री अम्बा लालजी | 10 फिट रोड | 04 फिट गली |

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

## वाटर कूलर भेंट

**उदयपुर,**(कासं)। भारत विकास परिषद की चेतक शाखा, उदयपुर द्वारा सामाजिक सरोकार एवं जनसेवा के तहत शास्त्री सर्किल स्थित दाताराम हनुमान मंदिर में राहगीरों और श्रद्धालुओं को वर्षभर शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक वाटर कूलर मंदिर समिति को समर्पित किया गया।

शाखा अध्यक्ष रजनीकांत मनावत ने बताया कि यह सेवा कार्य शाखा की महिला संस्कार संयोजिका रेणु गोयल एवं एम.एल. गोयल की प्रेरणा और सहयोग से सम्पन्न हुआ।

## सार-समाचार

### हत्या का आरोपी पिता गिरफ्तार

**उदयपुर,**(कासं)। शहर के समीप नाई थाना क्षैत्र में आपसी कहासूनी के दौरान पिता ने पुत्र के साथ मिलकर पुत्र की हत्या कर दी। इस मामले में आरोपी पिता को पुलिस ने डिटेन किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 जून रात में शराब के नशे में प्रकाश पुत्र भग्गा भील निवासी काड़ा पुला अलसीगढ नाई ने अपने पुत्र महेन्द्र के साथ मिलकर दूसरे पुत्र जगदीश (25) पुत्र प्रकाश की हत्या कर दी। घटना वाली रात में प्रकाश, महेन्द्र व जगदीश ने साथ में शराब पी थी। इस दौरान जगदीश की सिलाई मशीन किसी अन्य को देने पर एतराज किया था। इसको लेकर कहासूनी होने पर प्रकाश ने बीयर की बोतल सिर में मार दी। जिससे अचेत होने के बाद पत्थर सिर पर पटक कर हत्या कर दी। इसकी सूचना मिलने पर एएसआई हरिराम मय टीम ने मौके पर पहुंच कर मृतक को नाई चिकित्सालय मोर्चरी में रखवा पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मृतक के भाई कैलाश पुत्र प्रकाश भील निवासी काड़ा फला अलसीगढ नाई हॉल काया की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। इस मामले में पुलिस ने आरोपी प्रकाश को डिटेन किया है। जिससे पूछताछ की जा रही है।

### ग्राम सेवा शिविर में मछली ठेके का विरोध

**उदयपुर,**(कासं)। वल्लभनगर उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत नवानिया में ग्राम सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में उपखंड स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने एक ही छत के नीचे बैठकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उनका त्वरित निस्तारण किया।शिविर के दौरान ग्रामीणों ने वल्लभनगर मुख्य मार्ग पर हो रहे अवैध अतिक्रमण को तुरंत हटाने की मांग की। इसके साथ ही मत्स्य विभाग द्वारा स्थानीय तालाब में मछली पकड़ने का ठेका जारी करने पर ग्रामीणों ने भारी रोष व्यक्त किया।ग्रामीणों ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि गांव का तालाब क्षेत्र के लोगों की धार्मिक आस्था का एक बड़ा केंद्र है। उन्होंने इसे धार्मिक तालाब घोषित करने और मछली पालन का ठेका तुरंत प्रभाव से निरस्त करने की मांग की। अधिकारियों ने ग्रामीणों की इस मांग को गंभीरता से लिया और नियमानुसार समाधान का आश्वासन दिया। शिविर में राजस्व शुद्धिकरण के 20 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। वहीं 15 जाति व मूल निवास प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसके अतिरिक्त 3 आवासीय पटे और 2 सामाजिक सरक्षा पेंशन केप्रकरण निपटाए गए। फार्मर रजिस्ट्री के लिए 350 किसानों के आवेदन पत्र भी जमा किए गए इस अवसर पर उपखंड अधिकारी रमेश चंद्र वढेरा,तहसीलदार सुरेंद्र कुमार छिपा,नायब तहसीलदार रूपेश मेघवाल,मोहन लाल गवारिया, ग्राम विकास अधिकारी महेंद्र कुमार,प्रशासक जगदीश चंद्र सेन, सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे

### दुष्कर्म का मामला दर्ज

**उदयपुर,**(कासं)। लिविंग रिलेशन में रहते हुए युवती ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म करने का पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडिता ने आरोपी मनोज पुत्र दिनेश डामोर निवासी खेरवाड़ा के खिलाफ प्रकरया दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि आरोपी ने छह माह पूर्व शादी करने के बहाने मुझे अपने साथ लेकर आया तथा लिविंग रिलेशन के रूप में साथ में रह रहे थे। इस दौरान आरोपी ने मेरे साथ दुष्कर्म करता रहा। गत दिनों आरोपी बिना बताए मुझे छोड़ कर चला गया। तलाश की लेकिन पता नहीं चला। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच देवीलाल एसआई को सौंपी है।

### चाकूबाजी में युवक घायल

**उदयपुर,**(कासं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के चलते बदमाश ने चाकू से हमला कर युवक को घायल किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोर्वमेंट प्रेस किशनपोल निवासी शाहनवाज पुत्र शौकतअली गुरूवार सवेरे सज्जनगढ स्थित दरगाह पर जा रहा था। इस दौरान तबरेज व साथियों ने आपसी विवाद के चलते चाकू से हमला कर दिया। जिससे बचाव करने पर हाथ पर घायल लग गया। इसको देख चिल्लाने पर हमलावर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायल को चिकित्सालय पहुंचाया।

## कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि नगर खण्ड बीकानेर

क्रमांक : 736 दिनांक: 17/6/26

**Notice Inviting Bid -: 06/2026-27**

Bid for the Various Civil Works" are invited from interested bidders from 18.06.2026 [09:30 AM] to 09.07.2026 [06:00 PM] & Open date 10.07.2026 [11:00 AM], other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www.pwd.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 518.89 Lakhs.

UBN No.: PWD2627WL0B05314

DIPR/C/11127/2026 — Executive Engineer, PWD City Division, Bikaner

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

जन- जन के साथ
विकास और अंत्योदय का मार्ग

शहरी सेवा शिविर - 2026

15 जुलाई, 2026 तक

शिविरों में होने वाले प्रमुख कार्य
- अहस्तांतरित कॉलोनियों में रोड़, सीवर लाइन एवं रोड़ लाइटों की मरम्मत।
- नाम हस्तांतरण प्रकरण।
- आवंटी/आवेदकों को रिफण्ड करना।
- पूर्ण राशि जमा होने पर अदेयता प्रमाण पत्र।
- एक मुश्त लीज पत्र एवं फ्री होल्ड प्रमाण पत्र।
- बकाया / शेष राशि की जानकारी/अन्य मांग /किश्तों की राशि जमा करना इत्यादि।
- पता एवं आय वर्ग में परिवर्तन।
- अर्नेस्ट मनी रिफण्ड।
- भवन मानचित्र जारी करने के संबंध में (पंजीयन हेतु)।
- उप-विभाजन/पुनर्गठन/खांचा भूमि/भवन निर्माण स्वीकृति आदि अन्य प्रकरणों का निस्तारण।
- आवास पंजीयन।
- किराया क्रय पद्धति से नकद भुगतान पद्धति में परिवर्तन इत्यादि।

लोक सेवा ही संकल्प

कैम्प स्थल
- वृत्त-1, सेक्टर-05, प्रतापनगर, प्रताप प्लाजा के पास टोंक रोड़, प्रतापनगर, जयपुर
- वृत्त-II, सेक्टर-12 न्यू सांगानेर रोड़, मानसरोवर, जयपुर
- वृत्त-III, जवाहर सर्किल मालवीय नगर, जयपुर
- वृत्त अलवर, बस स्टैण्ड के पास मनु मार्ग, प्रतापनगर कॉलोनी, अलवर
- वृत्त-कोटा, सीएडी सर्किल, कोटा
- वृत्त-1, जोधपुर, राजस्थान पत्रिका ऑफिस के पास, सेक्टर-08 कुड़ी भगतासनी, जोधपुर
- वृत्त-II, जोधपुर, सेक्टर-11, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, जोधपुर
- वृत्त बीकानेर, सेक्टर-04 मुक्ताप्रसाद नगर, बीकानेर
- वृत्त-उदयपुर, सेक्टर-11, सलूम्बर सर्किल, हिरणमगरी, उदयपुर
- आवासीय अभियन्ता, खण्ड-अजमेर, वैशालीनगर, अजमेर
- आवासीय अभियन्ता, खण्ड-भरतपुर रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया, भरतपुर
- आवासीय अभियन्ता, खण्ड-भिवाड़ी चन्नी ट्रेड सेन्टर, रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया, भिवाड़ी
- आवासीय अभियन्ता, खण्ड-भीलवाड़ा सी 289-290 आर. के. कॉलोनी, भीलवाड़ा
- आवासीय अभियन्ता, खण्ड-नागौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलोनी, बालवा रोड़, नागौर
- आवासीय अभियन्ता, खण्ड-हनुमानगढ़ 9/58-59, हनुमानगढ़
- आवासीय अभियन्ता, खण्ड-झुंझुनू 2/3-4, पुरानी कॉलोनी, चुरू रोड़, झुंझुनू

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009
कार्यालय समय उपरान्त: 9461054291/92/319 एवं 6376868696, 9460254319

राजस्थान आवासन मण्डल

राजस्थान संवाद

जब कोच, टीम और कप्तान आपका समर्थन करते हैं, आपके साथ खड़े होते हैं और चाहते हैं कि आप देश के लिए अच्छा खेलें, तो इससे मानसिक रूप से बहुत भरोसा मिलता है... यह अपने आप में बहुत सम्मान की बात है। - साई सुदर्शन

इंडिया-ए खिलाड़ी, शतक जमाने के बाद बोलते हुए।

**आज का खिलाड़ी**

## गिलेर्मो ओचोआ

**मेक्सिको** के अनुभवी गोलकीपर गिलेर्मो ओचोआ ने एक नया कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है। उन्होंने फुटबॉल विश्व कप के इतिहास में एक विशेष उपलब्धि हासिल करते हुए छह विश्व कप टीमों का हिस्सा बनने वाले पहले गोलकीपर बनने का गौरव प्राप्त किया है। गिलेर्मो ओचोआ ने यह उपलब्धि मेक्सिको और चेक गणराज्य के बीच खेले गए समूह-ए के अंतिम मुकाबले में हासिल की। मेक्सिको सिटी में आयोजित इस मुकाबले में ओचोआ दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे और इसी के साथ उनका नाम विश्व फुटबॉल के सबसे विशिष्ट खिलाड़ियों की सूची में दर्ज हो गया है।

**क्या आप जानते हैं ?...** अब तक खेले गए 22 संस्करणों में ब्राजील, जर्मनी, इटली, अर्जेंटीना, फ्रांस, उरुग्वे, इंग्लैंड और स्पेन ने फीफा विश्व कप की ट्रॉफी जीती है।

FIFA WORLD CUP 2026

### आज के मैच

**कुराकाओ बनाम कोटेडी आइवर**
रात्रि 1.30 बजे

**इक्वाडोर बनाम जर्मनी**
रात्रि 1.30 बजे

**ट्यूनिशिया बनाम नीदरलैंड**
सुबह 4.30 बजे

**जापान बनाम स्वीडन**
सुबह 4.30 बजे

**पराग्वे बनाम ऑस्ट्रेलिया**
सुबह 7.30 बजे

**तुर्की बनाम यूएसए**
सुबह 7.30 बजे

# मेक्सिको ने चेकिया को 3-0 से रौंदा

## विश्व कप में पहली बार ग्रुप चरण के सभी मैच जीते

मेक्सिको सिटी, 25 जून। मेक्सिको ने फीफा विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को चेकिया को 3-0 से हराकर ग्रुप चरण के अपने तीनों मुकाबले जीत लिए। इस जीत के साथ मेक्सिको ने इतिहास रचते हुए पहली बार विश्व कप के ग्रुप चरण में शत-प्रतिशत जीत दर्ज की।

मेक्सिको की जीत के नायक रहे 22 वर्षीय मातेओ चावेज़, जिन्होंने अपने पहले ही विश्व कप में 55वें मिनट में टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद जूलियन क्विनोनेस ने 61वें मिनट में टूर्नामेंट का अपना दूसरा गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। मुकाबले के इंजरी टाइम में अल्वारो फिडाल्गो ने तीसरा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। इससे पहले मेक्सिको का सर्वश्रेष्ठ ग्रुप चरण प्रदर्शन दो जीत और एक ड्रॉ का रहा था, जो 1986 और 2002 विश्व कप में देखने को मिला था। दिलचस्प बात यह है कि दोनों अभियानों में जेवियर एग्विरे किसी न किसी रूप में टीम से जुड़े थे- 1986 में खिलाड़ी और 2002 में मुख्य कोच के रूप में।

ग्रुप ए में शीर्ष स्थान पहले ही सुनिश्चित कर चुकी मेक्सिको अब राउंड ऑफ 32 में अपने अगले मुकाबले के लिए तैयार है, जो 1 जुलाई को एज़्टेका स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरी ओर, चेकिया का अभियान निराशाजनक रहा। टीम तीन मैचों में केवल एक अंक जुटा सकी और टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

मुकाबले में मेक्सिको के युवा और अनुभवी खिलाड़ियों ने भी सुर्खियां बटोरीं। 17 वर्षीय गिल्बर्टो मोरा विश्व कप में मेक्सिको की ओर से शुरुआती एकादश में उतरने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। वहीं 40 वर्षीय गोलकीपर गिलर्मो "मेमो" ओचोआ 77वें मिनट में मैदान पर उतरकर विश्व कप के छह संस्करणों में खेलने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए। इस सूची में केवल अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी शामिल हैं।

हालांकि मैच के दौरान कुछ दर्शकों द्वारा लगाए गए विवादित नारे भी चर्चा का विषय बने, जिनके कारण पहले भी मेक्सिको फुटबॉल महासंघ को दंड झेलना पड़ा है। मेक्सिको की यह जीत उसे नॉकआउट चरण में मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करती है, जबकि चेकिया के लिए विश्व कप 2026 का सफर यहीं समाप्त हो गया।

# द. अफ्रीका ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से दी शिकस्त

मेक्सिको, 25 जून। दक्षिण अफ्रीका ने फीफा विश्व कप 2026 में इतिहास रचते हुए दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर पहली बार नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया। मेक्सिको के मोंटेरे स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए ग्रुप ए के इस मुकाबले में थापेलो मासेको के दूसरे हाफ में किए गए गोल ने दक्षिण अफ्रीका को यादगार जीत दिलाई। 2010 में अपने देश में आयोजित विश्व कप के बाद पहली बार टूर्नामेंट में खेल रही दक्षिण अफ्रीकी टीम को शुरुआती मुकाबले में मेक्सिको से 0-2 की हार के बाद लगभग बाहर माना जा रहा था। हालांकि, उसने चेक गणराज्य के खिलाफ ड्रॉ खेलकर वापसी की और फिर दक्षिण कोरिया को हराकर अंतिम-32 में जगह बना ली। मुकाबले की शुरुआत दक्षिण कोरिया ने आक्रामक अंदाज में की। कप्तान की जगह टीम की अगुवाई कर रहे किम मिन-जे का शक्तिशाली हेडर गोल लाइन पर ही रोक दिया गया, जबकि ली कांग-इन का प्रयास मामूली अंतर से बाहर चला गया। दक्षिण अफ्रीका ने धीरे-धीरे खेल पर पकड़ बनाई, लेकिन फिनिशिंग में कमजोरी दिखाई। 30वें मिनट में उसे बढ़त लेने का सुनहरा मौका मिला, जब एविडेंस माकगोपा के पास आसान अवसर था, लेकिन वह गोलकीपर किम सियुंग-ग्यु को भेद नहीं सके। दूसरे हाफ की शुरुआत में दक्षिण कोरिया ने बड़ा फैसला लेते हुए अपने स्टार खिलाड़ी और कप्तान सोन ह्युंग-मिन को मैदान पर उतारा। इसके बावजूद टीम को सफलता नहीं मिली। 63वें मिनट में दक्षिण अफ्रीका को वह मौका मिला जिसका उसे इंतजार था। त्शेपांग मोरेमी के क्रॉस पर थापेलो मासेको ने शानदार फिनिश करते हुए गेंद को निकट पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया और अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

## स्कॉटलैंड को हराकर ब्राजील ग्रुप-सी में शीर्ष पर, विनीसियस जूनियर ने दागे दो गोल

मियामी, 25 जून। स्टार विंगर विनीसियस जूनियर के शानदार दो गोलों की बदौलत ब्राज़ील ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-सी मुकाबले में बुधवार को स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर लिया। मैच की शुरुआत से ही ब्राज़ील ने आक्रामक खेल दिखाया। सातवें मिनट में स्कॉटलैंड के रक्षक स्कॉट मैकेना की गलती का फायदा उठाते हुए विनीसियस जूनियर ने गोल दागकर ब्राज़ील को बढ़त दिलाई। 22वें मिनट में विनीसियस ने एक और गोल किया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी की समीक्षा के बाद इसे रद्द कर दिया गया। फैसला दिया गया कि उन्होंने स्कॉटलैंड के रक्षक जैक हेंड्री को फाउल किया था। हालांकि, विनीसियस ने पहले हाफ के अतिरिक्त समय में अपना दूसरा गोल दागकर ब्राज़ील की बढ़त दोगुनी कर दी।

## आर.डी. बाहेती जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता में युवराज, तेजेश्वर, पद्मजा व विनय प्रताप बने

जयपुर, 25 जून। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित इंडोर बैडमिंटन हॉल में आयोजित आर.डी. बाहेती मेमोरियल जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप-2026 में गुरुवार को विभिन्न आयु वर्गों के रोमांचक फाइनल मुकाबले खेले गए। अंडर-15 एवं अंडर-17 बालक एकल, अंडर-17 बालिका एकल तथा अंडर-17 मिश्रित युगल वर्ग के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किए।

अंडर-15 बालक एकल के फाइनल में युवराज सिंह शेखावत ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए माधव शर्मा को 15-11, 15-9 से हराकर खिताब जीता। अंडर-17 बालक एकल का फाइनल पूनिया बंधुओं के बीच खेला गया, जिसमें तेजेश्वर पूनिया ने अपने भाई तपेश्वर पूनिया को कड़े संघर्षपूर्ण मुकाबले में 15-11, 11-15, 15-12 से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। अंडर-17 बालिका एकल वर्ग में पद्मजा सिंह ने खुशी शर्मा को 15-6, 15-13 से हराकर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की।

**कनाडा को 2-1 से हराया स्विट्ज़रलैंड ने**

वैंकूवर, 25 जून। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-बी मुकाबले में बुधवार को स्विट्ज़रलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। बीसी वैंकूवर स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में तीनों गोल दूसरे हाफ में देखने को मिले।

# भारत ने बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया

मैनचेस्टर, 25 जून। भारतीय टीम ने गुरुवार को बांग्लादेश को महिला टी20 विश्व कप 2026 के 23वें मुकाबले में 5 विकेट से हराया। भारत की टूर्नामेंट में तीसरी जीत है। मैनचेस्टर में खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 136 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने शेफाली वर्मा के अर्धशतक की बदौलत 19 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया। भारत के लिए शेफाली वर्मा ने सर्वाधिक 53 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से रितु मोनी ने दो विकेट लिए। भारत की टी20 विश्व कप 2026 में ये तीसरी जीत है। टीम का अंतिम मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से है।



# नार्किंगपिन-56 में शामिल ड्रग सरगना समीर खां गिरफ्तार

**जयपुर,** (कासं)। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन मदमारुत' के तहत कार्रवाई करते हुए राज्य के मोस्ट वांटेड ड्रग तस्करों की सूची नार्किंगपिन-56 में शामिल 25 हजार रुपए के इनामी अपराधी समीर खां को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित पिछले तीन वर्षों से फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था।

एएनटीएफ पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा तथा अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के मार्गदर्शन में अंजाम दी गई। गिरफ्तार आरोपित समीर खां (23) मूल रूप से बामन खेडी (रतलाम मध्य प्रदेश) तथा वर्तमान में दाऊद खेड़ी जिला मंदसौर का निवासी है। उस पर फलोदी पुलिस अधीक्षक द्वारा 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

पुलिस जांच में सामने आया कि पांचवीं कक्षा तक पढ़ा समीर पहले मजदूरी करता था। अधिक धन कमाने और ऐशो-आराम की जिंदगी जीने की चाह में वह अपने एक रिश्तेदार के साथ अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल हो गया। दोनों मध्यप्रदेश से राजस्थान तक नशे की खेप पहुंचाने का नेटवर्क संचालित करते थे।

- **फलौदी पुलिस ने इस बदमाश पर 25 हजार रु. का इनाम घोषित कर रखा था**
- **आरोपी समीर खां अपने रिश्तेदार के साथ मिलकर मध्यप्रदेश से राजस्थान तक नशे की खेप पहुंचाने का नेटवर्क चलाता था**
- **एएनटीएफ के आईजी विकास कुमार ने बताया कि अब तक मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े 68 बड़े फरार अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।**

वर्ष 2024 में फलौदी जिले के बाप थाना क्षेत्र में स्मैक तस्करी के एक मामले में पकडे गए एजेंट ने पूछताछ में समीर और उसके रिश्तेदार का नाम उजागर किया था। इसके बाद से ही समीर फरार हो गया और गिरफ्तारी से बचने के लिए मजदूरी तथा ड्राइविंग का काम करने लगा।

शातिर तस्कर तक पहुंचने के लिए एएनटीएफ ने बेहद सुनियोजित रणनीति अपनाई। टीम मंदसौर के मुल्तानपुरा स्थित स्लेट पेंसिल फैक्ट्री क्षेत्र में कारोबारी बनकर पहुंची और माल खरीदने के बहाने विभिन्न फैक्ट्रियों में जानकारी जुटाई। इसी दौरान एक फैक्ट्री संचालक ने बताया कि उनके यहां समीर नाम का चालक काम करता है, जो माल परिवहन का कार्य करता है, लेकिन वह उस दिन राजस्थान के ब्यावर में बारदाना भरने गया हुआ है।

यह सूचना मिलते ही एएनटीएफ की दूसरी टीम ने ब्यावर अनाज मंडी में घेराबंदी कर दी। जांच के दौरान मध्य प्रदेश नंबर की एक पिकअप वाहन के पास बैठे दो युवकों में से एक की पहचान समीर खां के रूप में हुई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। आईजीपी विकास कुमार ने बताया कि एएनटीएफ अब तक मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े 67 बड़े फरार अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। समीर खां की गिरफ्तारी के साथ ही यह संख्या बढ़कर 68 हो गई है।

# रीको प्रशासन ने ढाई माह में 100 करोड़ रु. राजस्व वसूला

**जयपुर ।** राजस्थान में औद्योगिक विकास को गति देने तथा उद्यमियों को सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रीको प्रशासन लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। दूसरी तरफ औद्योगिक क्षेत्रों में अपनी इकाइयां स्थापित कर चुके उद्यिमयों का भी रीको को भरपूर सहयोग मिल रहा है। रीको ने उद्यमियों के सहयोग तथा अपने विशेष प्रयासों से 1 अप्रैल से 15 जून तक (ढाई माह में) 100 करोड़ रुपए से अधिक के राजस्व की वसूली की है। यह राशि रीको के 33 इकाई कार्यालयों के अधीन विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटित औद्योगिक भूखण्डों की बकाया देयताओं से प्राप्त हुई है। वसूली के मामले में भिवाड़ी द्वितीय इकाई कार्यालय के अधीन आने वाले औद्योगिक क्षेत्रों से सर्वाधिक लगभग 26 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है। इसके अतिरिक्त जयपुर के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से लगभग 14 करोड़ रुपये, नीमराना इकाई कार्यालय के अधीन औद्योगिक क्षेत्रों से लगभग 12 करोड़ रुपये, सवाई माधोपुर इकाई कार्यालय के अधीन औद्योगिक क्षेत्रों से लगभग 8 करोड़ रुपये तथा भिवाड़ी प्रथम इकाई कार्यालय से लगभग 5 करोड़ रुपये की बकाया राशि प्राप्त हुई है।

**कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर**
जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

**ई-निविदा 05/2026-27**

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में वार्षिक दर अनुबंध के अन्तर्गत खाना आपूर्ति व गेस्ट हाउस के लिए अल्पाहार एवं भोजन की आपूर्ति करने हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
UBN NO. : JAU2627SLRC00059
राज.संवाद/सी/26/5698 — नियंत्रक (वित्त)

**बीकानेर नगर निगम**
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स नं :- 0151-2226906, फोन नं:- 0151-2226902, 2226905,
Email Address :- bikanernagarnigam@gmail.com, Website :- www.bikanermc.org
क्रमांक / भण्डार / 2026-27 / 4627 — दिनांक 22.06.2026

**(ई-निविदा सूचना सं. 02/2026-27)**

बीकानेर नगर निगम को विभिन्न आयोजनों में भोजन, अल्पाहार, चाय, कॉफी, मिनरल वॉटर, पानी की बोतल, नींबू पानी, छाछ, पानी के केम्पर, बफर सिस्टम भोजन (सर्दियो में) एवं बफर सिस्टम भोजन (गर्मियों में) उपलब्ध करवाने हेतु 02 वर्ष के लिए पंजीकृत फर्मो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। ए.आर.सी. निविदा कार्य से सम्बन्धित सम्पूर्ण विवरण एवं तिथि राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.govt.in तथा नगर निगम बीकानेर की वेबसाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।
निविदा की कुल लागत :- 50 लाख
UBN Code :- DLB2627SLOB08629 — आयुक्त
राज.संवाद / सी / 26 / 5646 — नगर निगम, बीकानेर

**Rajasthan University of Veterinary and Animal Science (Jobner), Jaipur**
Estate Office
क्रमांक :- EO/RUVAS/2026-27/98 — दिनांक :- 23/06/2026

**ई-निविदा सूचना संख्या 06/2026-27**

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, (जोबनेर), जयपुर की ओर से राज्य / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / विभागों में पंजीकृत संवेदको से ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया के माध्यम से आनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है।
निविदा से संबंधित अन्य आवश्यक विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in व https://ruvasjaipur.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। UBN No.: RVJ2627WSOB00012

| क्र. सं. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत रू. लाखों में | कार्य पूर्ण करने की अवधि | निविदा शुल्क | धरोहर राशि 2% | टेण्डर प्रोसेसिंग शुल्क |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Confinement/Boundary Wall of Land Allotted for University of Veterinary and Animal Sciences, Jobner (Jaipur). | 253.00 | 12 MONTHS 1 Year | 2000/- | 506000/- | 2000/- |

1. निविदाता द्वारा धरोहर राशि, निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग शुल्क, निम्नानुसार संपदा अधिकारी राज. पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, (जोबनेर), जयपुर के खाते में जमा करवानी है:-

| | |
|---|---|
| Bank Name | ICICI BANK |
| BRANCH NAME | RHB MANSAROVER, JAIPUR. |
| ACCOUNT NO. | 677601702188 |
| ACCOUNT HOLDER NAME | Estate Officer Rajasthan University of V and A Sciences Jobner Jaipur |
| IFSC CODE | ICIC0006776 |

2. निविदा प्रपत्रों / दस्तावेज दिनांक 23/06/2026 से दिनांक 16/07/2026 तक सांयः 6:00 बजे तक वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकेगी तथा निविदा प्रपत्र दिनांक 17/07/2026 को प्रातः 11.30 बजे खोली जावेगी।
3. प्रसारित निविदा के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी Estate Office RUVAS, (Jobner) Mansarover, Jaipur कार्यालय से कार्य दिवस एवं कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है।

राज.संवाद/सी/26/5700 — सम्पदा अधिकारी, रुवास (जोबनेर) जयपुर

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्री गोविन्ददेवजी मंदिर में किए दर्शन

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को निर्जला एकादशी के अवसर पर श्री गोविन्ददेवजी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने विधिवत् पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धिके लिए कामना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का अभिवादनस्वीकार किया।इस दौरान मंदिर के महंत ने मुख्यमंत्री को प्रसाद भेंट किया। इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

## विदेश नौकरी के नाम पर लाखों रु. ठगने वाला बदमाश दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार

**जयपुर ।** सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी करने वाले 10 हजार रुपए के इनामी और 18 साल से फरार चल रहे आरोपित को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपित फर्जी पते से पासपोर्ट बनवाकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भागने की तैयारी में था। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए।

**कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, उदयपुर**
क्रमांक :- प.46/अअ/उदय/वि.बो/बिड/2026-27/राजकाज नं. 22994501 — दिनांक :- 23/06/2026

**निविदा सूचना संख्या -05/2026-27 (NIB No. AGM2627A0093)**

राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड खण्ड उदयपुर के अन्तर्गत जिला उदयपुर / राजसमन्द / सलुम्बर में राजकीय महाविद्यालयो में सीडब्ल्यूएसएन शौचालय, उपनिदेशक उद्यानिकी राजसमन्द कार्यालय मे अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य, आयुर्वेद विभाग के हॉस्पिटल के कार्य, समाज कल्याण विभाग के कार्य, कृषि उपज मण्डी उदयपुर में किसान विश्राम स्थल के कार्य एवं सम्पर्क सडकों के कार्य की ऑनलाईन निविदाएं ई-प्रोक्युरमेन्ट www.eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से उपयुक्त कार्य हेतु दिनांक 08.07.2026 तक आमंत्रित की जाती है। बिड से सम्बन्धित विस्तृत विवरण वेबसाइट www.rsamb.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in (NIB No. AGM2627A0093) & (UBN No. AGM2627WSRC00619 to 627) पर भी देखा जा सकता है।
राज.संवाद/सी/26/5696 — अधिशाषी अभियन्ता

**राजस्थान आवासन मण्डल**
क्रमांक :- 433 — दिनांक :- 19 / 06 / 2026

**निविदा सूचना संख्या 01/2026-27**

Development of Shopping Center in Sector 17 at Mukta Prasad Nagar, Bikaner के कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 29.06.2026 सायं 6:00 बजे से दिनांक 15.07.2026 को सायं 6:00 बजे तक राजस्थान सरकार के पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in व मण्डल की वेबसाईट http://rhb.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।
UBN No. :- RHB2627WSOB00077
राज.संवाद / सी / 26 / 5757 — उप आवासन आयुक्त, वृत्त-बीकानेर

**राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड**
**ई-निविदा सूचना** — दिनांक :- 23/06/2026

| ई-निविदा संख्या एवं दिनांक | कार्य का विवरण |
|---|---|
| F.6(1)79/CC/2026/33 dated 23.06.2026 UBN No. MML2627SLOB00070 | कम्पनी की बाड़मेर परियोजना पर स्थित कार्यालय व खदानों पर कम्प्यूटर पर कार्य करने हेतु कुशल श्रमिकों (कम्प्युटर ऑपरेटर) की संख्या अठारह (18)। अनुमानित मूल्य (रू.) 107.00 लाख, धरोहर राशि-2,14,000/-, निविदा राशि- 4,720/- (जी.एस.टी. सहित) ई-निविदा प्रकिया शुल्क रूपये 2000/- का डी.डी. जो कि एम.डी., आर.आई.एस. एल., जयपुर के नाम देय हो। |

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in, अथवा वरि. प्रबंधक (यांत्रिकी-अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/26/5685 — उप महाप्रबन्धक (कार्मिक एवं प्रशासन)

**कार्यालय नगर निगम जयपुर**
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लाल कोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
क्रमांक :- जसअ / 2026 / 142 — दिनांकः 23.06.2026

**-: : ई-निविदा सूचना संख्या 04/2026-27 : :-**

नगर निगम जयपुर की ओर से विद्युत कार्य हेतु नगर निगम जयपुर में व अन्य विभागों में नये नियमों के अनुसार श्रेणीवार EWSD श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं।
निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in पर निम्न UBN No. JMC2627WSOB00231 पर देखा जा सकता हैं।
इच्छुक संवेदकों को ई-निविदा में भाग लेने हेतु वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक हैं।
राज.संवाद / सी / 26 / 5653 — अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत), नगर निगम जयपुर-पार्ट प्रथम

**कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, बीदासर (चूरू) राज0**
E-Mail :nagarpalikabidasar@gmail.com — Phone No. : 01560 – 262028
क्रमांक-नपाबी / 2026-27 / 980 — दिनांक-23.06.2026

**ई-निविदा सूचना सख्यां 03/2026-27**

नगरपालिका बीदासर में विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्यो के लिये नियमों के अन्तर्गत नगर निगम बीकानेर / नगरपालिका बीदासर में पंजीकृत व अन्य विभागों के 'A' एवं 'AA' श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रकिया से निविदा से कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य दिनांक 23.06.2026 को 17:00 बजे से तथा दिनांक 06.07.2026 समय 18.00 बजे तक ऑनलाईन निविदा जमा करवाई जा सकती है। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eprco.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIB CODE : DLB2627A3479
UBN NO. DLB2627WSRC08540 — अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 26 / 5602 — नगरपालिका, बीदासर

**राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इनवेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड**
(राजस्थान सरकार का उपक्रम)
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर- 302005, फोन-0141-2227751,4593201
ई-मेल-riico@riico.co.in वेबसाइट-riico.rajasthan.gov.in

**निविदा सूचना**

रीको द्वारा निम्नांकित कार्यों / आपूर्ति / सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सीलबंद निविदाऐं एवं राशि रू. 2.00 लाख से अधिक की निविदाऐं ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन निर्धारित प्रपत्र में eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती हैं:-
इकाई का नाम, UBN एवं कार्य की राशि (लाख रू. में):. **जयपुर(उत्तर)**-औद्योगिक क्षेत्र मण्डा-द्वितीय चरण, जयपुर में आधारभूत संरचना के उन्नयन का कार्य। **RDC2627WLOB00726(2964.40),** RDC2627WSOB00725(1.97), RDC2627WSOB00717(74.40), RDC2627WSOB00718(14.09), RDC2627WSOB00719(25.37), RDC2627WSOB00720(82.40), RDC2627WSOB00721(22.34), RDC2627WSOB00722(5.06), **ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर**-औद्योगिक क्षेत्र आईटी जोन, ईपीआईपी, सीतापुरा प्रथम एवं द्वितीय चरण, आवासीय श्योपुर कॉलोनी की मुख्य सड़क में पावर लाइन के इन्फ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन का कार्य। **RDC2627WLOB00732(855.62), RDC2627WLOB00734(360.21),** RDC2627WSOB00736(72.67), RDC2627WSOB00737(50.35), RDC2627WSOB00738(2.55), RDC2627WSOB00743(1.41), RDC2627WSOB00745(1.89), RDC2627WSOB00747(1.91), RDC2627WSOB00750(1.90), RDC2627WSOB00752(1.98), RDC2627WSOB00754(1.90), **अलवर**-एग्रो फूड पार्क, मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र, अलवर में इंटरलॉकिंग टाईल्स लगाना और अप्रोच बॉक्स कल्वर्ट के साथ आरसीसी नाली का निर्माण का कार्य। **RDC2627WLOB00713(924.65),** RDC2627WSOB00700(88.90), RDC2627WSOB00702(21.87), RDC2627WSOB00705(141.62), RDC2627WSOB00701(14.40), RDC2627WSOB00704(7.11), RDC2627WSOB00712(88.76), RDC2627WSOB00706(4.54), RDC2627WSOB00707(4.54), RDC2627WSOB00709(5.04), RDC2627WSOB00711(128.72), **किशनगढ़**-औद्योगिक क्षेत्र सिलोरा प्रथम चरण में बीटी रोड के सीसी रोड बनाने एवं रोड जंक्शन पर टाईल लगाने का कार्य। **RDC2627WLOB00687(515.25),** RDC2627GSOB00728(8.65), RDC2627WSOB00729(94.26), **सीकर**-औद्योगिक क्षेत्र आईआईडी पलसाना में इन्टरलॉकिंग एवं रोड़ का कार्य। **RDC2627WSOB00683(523.88),** RDC2627WSOB00682(1.03), **आबूरोड**-औद्योगिक क्षेत्र अम्बाजी, अर्बूदा, ग्रोथ सेंटर प्रथम एवं द्वितीय चरण, स्वरूपगंज आवासीय कॉलोनी ग्रोथ सेंटर प्रथम चरण आबू रोड में दिशा एवं साईन बोर्ड, डिजिटल गाईड मैप, बाउंड्री वॉल, बी. टी. रोड का रीकार्पेटिंग, सी.सी. रोड, नाली निर्माण, पेव्ड शोल्डर्स एवं फुटपाथ के निर्माण करने का कार्य। **RDC2627WLOB00742(813.71), जोधपुर**-औद्योगिक क्षेत्र बासनी द्वितीय चरण जोधपुर मे बिजली लाईन इंफ्रास्ट्रक्चर का अपग्रेडेशन का कार्य। **RDC2627WLOB00777(533.15),** RDC2627WSOB00727(22.50), **बोरानाड़ा**-इंडस्ट्रियल एरिया बोरानाड़ा फेज-चतुर्थ और ईपीआईपी में पावर लाईन का अपग्रेडेशन का कार्य। **RDC2627WLOB00779(1004.85), राजसमंद**-औद्योगिक क्षेत्र बग्गड़, राजसमंद में महत्वपूर्ण सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं रीकार्पेटिंग कार्य तथा सड़क के दोनों ओर कैरिजवे के साथ इंटरलॉकिंग पेवर टाइल्स उपलब्ध करवाने एवं बिछाने का कार्य। **RDC2627WLOB00811(820.51), भिवाड़ी-द्वितीय**-आद्यौगिक क्षेत्र चौपानकी में पावर लाईन के उन्नयन का कार्य। **RDC2627WLOB00774(1451.13), RDC2627WSOB00778(215.31), RDC2627WSOB00780(239.21), RDC2627WSOB00782(221.03),** RDC2627WSOB00685(4.50), **झुंझुनुं-RDC2627WSOB00770(307.13),** RDC2627WSOB00764(5.95), RDC2627WSOB00766(6.72), **जयपुर(दक्षिण)-RDC2627WSOB00758(335.01),** RDC2627WSOB00759(34.91), RDC2627WSOB00760(6.11), RDC2627WSOB00761(17.94), RDC2627WSOB00763(2.38), **कोटा-RDC2627WSRC00767(206.25),** RDC2627WSOB00730(20.06), RDC2627WSOB00731(52.85), RDC2627WSOB00733(76.55), RDC2627WSOB00735(93.63), RDC2627WSOB00744(41.36), RDC2627WSOB00748(85.64), RDC2627WSOB00755(90.24), RDC2627WSOB00781(17.04), RDC2627WSOB00783(3.30), RDC2627WSRC00773(6.76), RDC2627WSRC00775(33.59), RDC2627WSRC00784(40.88), RDC2627WSRC00785(120.17), RDC2627WSRC00772(12.43), **नागौर-RDC2627WSOB00789(354.61),** RDC2627WSOB00786(80.77), RDC2627WSOB00787(107.43), RDC2627WSOB00788(83.39), RDC2627WSOB00776(71.92), RDC2627WSOB00791(4.49), RDC2627WSOB00793(5.00), RDC2627WSOB00795(6.48), **जयपुर(ग्रामीण)-RDC2627WSOB00790(344.99), RDC2627WSOB00807(360.22), RDC2627WSOB00808(225.00),** RDC2627WSOB00792(1.04), RDC2627WSOB00794(1.04), RDC2627WSOB00796(1.90), RDC2627WSOB00797(1.38), RDC2627WSOB00798(10.42), RDC2627WSOB00799(44.14), RDC2627WSOB00800(37.07), RDC2627WSOB00801(98.71), RDC2627WSOB00802(3.27), RDC2627WSOB00803(5.66), RDC2627WSOB00804(3.08), RDC2627WSOB00805(6.85), RDC2627WSOB00806(8.85), RDC2627WSOB00809(12.47), RDC2627WSOB00810(75.00), **जालोर**-RDC2627WSOB00703(166.92), **भरतपुर**-RDC2627WSOB00684(1.81), **मण्डोर**-RDC2627WSOB00686(26.93), **भीलवाड़ा**-RDC2627WSOB00688(4.61), RDC2627WSOB00691(3.20), RDC2627WSOB00690(3.22), RDC2627WSOB00693(2.46), RDC2627WSOB00692(3.48), RDC2627WSOB00689(3.07), RDC2627WSOB00694(1.88), RDC2627WSOB00746(52.58), RDC2627WSOB00741(94.48), RDC2627WSOB00753(5.44), RDC2627WSOB00749(5.44), RDC2627WSOB00757(5.44), RDC2627WSOB00739(43.71), **बांसवाड़ा**-RDC2627WSOB00714(3.51), **उदयपुर**-RDC2627WSOB00695(162.59), RDC2627WSOB00696(13.06), RDC2627WSOB00697(12.05), RDC2627WSOB00698(6.86), RDC2627WSOB00699(12.00), RDC2627WSOB00708(1.91), RDC2627WSOB00710(1.75), **अजमेर**-RDC2627WSOB00715(16.46), RDC2627WSOB00716(6.69), **सवाईमाधोपुर**-RDC2627WSOB00723(73.71), RDC2627WSOB00724(59.03), **श्रीगंगानगर**-RDC2627WSOB00740(8.85), **पाली**-RDC2627WSOB00751(12.20), RDC2627WSOB00756(12.20), **बालोतरा**-RDC2627WSOB00762(89.47), **नीमराना**-RDC2627WSOB00765(37.79), RDC2627WSOB00768(12.58), RDC2627WSOB00769(21.83), RDC2627WSOB00771(12.29)
**कुल कार्यों की संख्या-130**
निविदा का विस्तृत विवरण, नियम इत्यादि एवं भविष्य में निविदा में किसी प्रकार के संशोधन / तिथि बढ़ने की जानकारी हेतु वेबसाइट riico.rajasthan.gov.in / www.eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.rajasthan.gov.in को देखें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: महाप्रबंधक (सिविल), फोन- 0141-4593214
Raj.Samwad/C/26/5746

# आपातकाल ने संविधान और देश की आत्मा को कुचला- भजनलाल

## मुख्यमंत्री ने संविधान हत्या दिवस पर लोकतंत्र सैनानियों की पेंशन 5 हजार रूपए बढ़ाकर 25 हजार रूपए की

जयपुर, 25 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल ने संविधान और लोकतंत्र की आत्मा को कुचलने का काम किया। संविधान की रक्षा में लोकतंत्र सेनानियों का अविस्मरणीय योगदान है। उन्होंने कहा कि इतिहास के उन घटनाक्रमों को याद रखना बेहद जरूरी है, जब देश के लोकतांत्रिक ढांचे और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को न केवल नुकसान

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने स्वार्थ की खातिर आपातकाल लगाया और संविधान की हत्या की।
- समारोह को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, सांसद घनश्याम तिवाड़ी और कार्यक्रम संयोजक अशोक परनामी ने भी संबोधित किया।

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान ऑडिटोरियम, दुर्गापुरा में ''संविधान हत्या दिवस'' के अवसर पर आयोजित लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर आपातकाल के दौरान जेल गए लोगों का सम्मान किया गया।*

पहुंचाया गया, बल्कि देश को जेलखाना तक बना दिया गया था।

मुख्यमंत्री गुरुवार को राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान ऑडिटोरियम, दुर्गापुरा में ''संविधान हत्या दिवस'' के अवसर पर आयोजित लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र और संविधान की भावना की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों की मासिक पेंशन को 5 हजार रुपये बढ़ाकर 25 हजार रुपये तथा मासिक चिकित्सा सहायता को 1 हजार रुपये बढ़ाकर 5 हजार रुपये करने की घोषणा की। उन्होंने कहा की आपातकाल के दौरान तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने लगभग 1 लाख से अधिक नेताओं, स्वयंसेवकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को बिना मुकदमे चलाए जेल में कैद कर दिया था। इस दौरान, नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सीमित करने के साथ ही, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया पर सेंसरशिप जैसे कड़े प्रतिबंध लगाए गए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने स्वार्थ की खातिर आपातकाल लगाया और संविधान की हत्या की। आज कांग्रेस पार्टी संविधान की दुहाई देती है और संविधान को बचाने का पाखंड करती है।

राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला था।

राज्यसभा सांसद एवं लोकतंत्र सेनानी घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि आपातकाल की पृष्ठभूमि गुजरात के नवनिर्माण आंदोलन और बिहार के छात्र-युवा आंदोलन से तैयार हुई थी, जिसका नेतृत्व लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने किया।

पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक अशोक परनामी ने कहा कि 25 जून 1975 की आधी रात को देश पर थोपा गया आपातकाल हमारे लोकतांत्रिक इतिहास पर काला धब्बा है।

## वैक्सीन, एंटीबायोटिक व कैंसर की दवाओं पर क्यूआर कोड लगेगा

नई दिल्ली, 25 जून। देश में नकली और घटिया दवाओं पर लगाम लगाने के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाया है। मंत्रालय ने ड्रग्स नियम, 1945 में संशोधन करते हुए, वैक्सीन, एंटीमाइक्रोबियल (एंटीबायोटिक), नारकोटिक एवं साइकोट्रॉपिक तथा कैंसर रोधी दवाओं को क्यूआर कोड आधारित ट्रैक एंड ट्रेस प्रणाली के दायरे में शामिल कर दिया है।

नए नियमों के तहत, इन दवाओं के निर्माताओं को उत्पाद की पैकेजिंग पर बारकोड या क्यूआर कोड लगाना अनिवार्य होगा। यदि प्राथमिक पैकेजिंग पर पर्याप्त जगह नहीं है तो क्यूआर कोड द्वितीयक पैकेजिंग पर लगाया जा सकेगा। क्यूआर कोड स्कैन करने पर दवा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी जैसे यूनिक प्रोडक्ट कोड, जेनेरिक और ब्रांड नाम, निर्माता का नाम और पता, बैच नंबर, निर्माण एवं एक्सपायरी तिथि, मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस नंबर और आवश्यक होने पर एक्सिपिएंट्स की जानकारी उपलब्ध होगी।

# एसआईटी की रिपोर्ट पर राम मंदिर चंदा चोरी प्रकरण में एफआईआर दर्ज

## एफआईआर में नामजद सभी आठ व्यक्ति गिरफ्तार, व्यापक स्तर पर गिरफ्तारियों की संभावना

- आप पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने राम मंदिर को मिले चंदे में हुई अनियमितताओं के बारे में दस्तावेज गुरुवार को एसआईटी को सौंपे।

लखनऊ, 25 जून। राम मंदिर चढ़ावा चोरी केस में एसआईटी की सिफारिश के बाद रामजन्मभूमि कोतवाली में एफआईआर दर्ज हुई। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब सबसे बड़ा डेवलपमेंट हुआ है। जानकारी के मुताबिक, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। अब तक इस मामले में एसआईटी जांच चल रही थी, लेकिन एफआईआर दर्ज होने के बाद जांच का दायरा और गंभीर हो गया है।

सूत्रों के अनुसार, सीसीटीवी में चोरी करते दिखे लोग और उनकी मदद करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। यूपी सरकार के निर्देश पर बीएनएस के तहत 306, 316(5), 317(4), 317(5) 61, 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। 8 से ज्यादा लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें टिन्नू यादव, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा के नाम शामिल हैं।

जिन लोगों के पास से रकम मिली है, उन लोगों को एफआईआर में नामजद किया गया है। सभी आठों लोग- राम शंकर यादव टिन्नू, अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, लवकुश मिश्रा, रमा शंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और मनीष यादव को हिरासत में लिया गया है। कहा जा रहा है कि आने वाले दिनों में बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

बता दें कि राम मंदिर चंदा चोरी के मामले में एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मांग पर सरकार ने 3 सदस्यीय एसआईटी गठित की थी। अयोध्या में एसआईटी 6 दिनों तक रही। ट्रस्ट के सदस्यों से पूछताछ की। वहीं, गुरुवार को आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राम मंदिर को मिले चंदे में हुई अनियमितताओं को लेकर संबंधित दस्तावेज एसआईटी को सौंप दिए। उन्होंने कहा कि इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

# तीन-चार दिन में मानसून बिहार, झारखंड, यूपी तक पहुँच जायेगा

## दिल्ली- एनसीआर में 26 को तेज हवाओं के साथ बारिश होने का अनुमान

नई दिल्ली, 25 जून। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगामी दिनों में उत्तर-पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसी बीच उत्तर-पूर्वी राज्यों सहित, बिहार तथा उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में लू का प्रकोप भी जारी रहने की संभावना है।

मौसमक विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 26 जून को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दोपहर-शाम के समय तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। इस दिन दिल्ली में अधिकतम तथा न्यूनतम तापमान क्रमशः 39-41 डिग्री सेल्सियस और 25-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 27 और 28 जून को भी यही स्थित रहने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि राजधानी में आज आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दोपहर-शाम के समय तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान जताया गया था। फिलहाल, राजधानी के निवासियों ने आज के मौसम में गर्माहट महसूस की है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 3-4 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ , झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मौसम अधिकारियों के पूर्वानुमान के अनुसार, पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश जारी है। इसके अलावा, पूर्वोत्तर राज्यों के साथ-साथ इस सप्ताह पश्चिमी तट, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल तथा अन्य क्षेत्रों में भी भारी बारिश (7-20 सेमी) होने की संभावना है।

## प्रधानमंत्री ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

के साथ बातचीत करेंगे। वे दोनों देशों के बीच सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे और आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री सेशेल्स की राष्ट्रीय असेंबली को भी संबोधित करेंगे और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत करेंगे। मंत्रालय का कहना है, यह यात्रा भारत और सेशेल्स के बीच मजबूत और स्थायी दोस्ती को और सशक्त करेगी तथा सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगी।

## राहुल गांधी ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

राहुल गांधी द्वारा कोर्ट में अपनी गलती स्वीकार कर खेद व्यक्त करने के बाद, शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान ने भी बड़ा दिल दिखाते हुए उनके इस खेद को स्वीकार कर लिया। दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति बनने के साथ ही लंबे समय से खिंच रहा यह हाई-प्रोफाइल मानहानि मामला हमेशा के लिए समाप्त हो गया।

## भाजपा में भारी ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

ऐसा लगता है कि सत्तारूढ़ दल के भीतर बड़ा मंथन चल रहा है।

ये घटनाक्रम जहां सरकार और भाजपा के भीतर बढ़ती थकान के संकेत दे रहे हैं, साथ ही सरकार और संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी की ओर भी इशारा करते हैं। केन्द्रीय मंत्रिपरिषद में नए चेहरों को शामिल किए जाने की चर्चाओं के बीच यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा नेतृत्व मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित, कई राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन की संभावना पर विचार कर रहा है।

तो फिर मोहन यादव और योगी आदित्यनाथ के बीच क्या संबंध है? अखिलेश यादव इस बारे में कहते हैं, ''भाजपा योगी आदित्यनाथ को निशाना बनाने के लिए मोहन यादव को बदनाम करने की साजिश रच रही है। यदि मोहन यादव पर आरोप हैं, तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी 300-600 एकड़ जमीन हासिल की है। ये आरोप इसलिए लगाए जा रहे हैं, क्योंकि भाजपा कुछ मुख्यमंत्रियों को बदलने का रास्ता तलाश रही है।''

उल्लेखनीय है कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने आज उत्तर प्रदेश भाजपा इकाई का पुनर्गठन किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दूसरे पुत्र नीरज को उत्तर प्रदेश भाजपा का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि गृह मंत्री अमित शाह के सहयोगी अंकुर शर्मा को राज्य भाजपा का सचिव बनाया गया है। टेलीविजन पत्रकार यतेन्द्र सिंह को भी राज्य इकाई के नए सचिवों में स्थान मिला है। कुल मिलाकर 19 उपाध्यक्ष, 8 महासचिव और 19 सचिव नियुक्त किए गए हैं। राज्य के सभी छह क्षेत्रों के प्रमुखों को भी बदल दिया गया है।

## विवादित वीडियो में मेरी शक्ल का मास्क पहने बहुरुपिया है- भगवंत मान

चंडीगढ़ , 25 जून। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विवादित वीडियो के संबंध में दावा किया है कि एक साजिश के तहत किसी व्यक्ति को मास्क पहनाकर यह वीडियो शूट किया गया है।

- मुख्यमंत्री मान ने डिजिटल सबूत पेश करते हुए वीडियो अकाल तख्त साहिब जांच के लिये भेजने की बात कही

इस साजिश में कनाडा निवासी जगमन समरा की भूमिका अहम है। गुरुवार को पंजाब के मोहाली में भगवंत मान ने इस संबंध में डिजिटल सबूत पेश करते हुए दावा किया कि यह वीडियो भी अकाल तख्त साहिब को जांच के लिए भेजा जाएगा।

## 'पासपोर्ट ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

से धारक की पहचान एक भारतीय के रूप में दर्ज होती है। पुरस्कार विजेता गीतकार जावेद अख्तर ने मंत्रालय के इस रुख को ''बेतुका'' बताया। उन्होंने सवाल किया कि यदि सरकार को यह विश्वास ही नहीं है कि पासपोर्ट धारक वास्तव में भारतीय नागरिक है, तो फिर पासपोर्ट जारी करने के पीछे सरकार का तर्क या आधार क्या है?

## अगले ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

साफ कर दी। सुजाता कार्तिकेयन के बीजद में शामिल होने के बाद राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई थी कि पूर्व नौकरशाह एवं वी.के. पांडियन की पत्नी सुजाता को वर्ष 2029 के चुनावों के लिए पार्टी के संभावित नेतृत्व के रूप में तैयार किया जा सकता है। लेकिन नवीन पटनायक के ताजा बयान ने इन सभी अटकलों को खारिज कर दिया है।

मीडिया से बातचीत में पटनायक ने कहा, मैं मीडिया और सभी लोगों की जानकारी के लिए एक बार फिर दोहराना चाहता हूं कि अगले चुनाव में बीजू जनता दल का नेतृत्व मैं ही करूंगा। मैं इसे पूरी तरह स्पष्ट कर देना चाहता हूं।

## कई वर्षों बाद ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

के कुछ वर्गों द्वारा बहुत बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है, जबकि वास्तव में यह एक सामान्य घटना है।

गहलोत लंबे समय से गांधी परिवार से मुलाकात का समय पाने की कोशिश कर रहे हैं।

वे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) में कोई पद पाना चाहते हैं। एआईसीसी में उनके कई शुभचिंतक, जो वरिष्ठ नेता हैं, उनके लिए लगातार प्रयास भी कर रहे हैं, लेकिन अब तक इसका कोई खास असर नहीं हुआ है।

दिलचस्प बात यह है कि राजस्थान के प्रभारी एआईसीसी महासचिव सुखजिंदर सिंह रंधावा ने के. सी. वेणुगोपाल के साथ बैठक की। औपचारिक रूप से यह बैठक पंजाब के मुद्दों पर चर्चा के लिए थी, लेकिन इसके साथ ही, राजस्थान में कुछ महत्वपूर्ण बदलावों पर भी विचार किया गया।

सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा राजस्थान में नए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति का है, जो गोविंद सिंह डोटासरा का स्थान लेंगे।

डोटासरा को न केवल रंधावा, बल्कि के. सी. वेणुगोपाल का भी समर्थन प्राप्त रहा है।

राजस्थान और दिल्ली के राजनीतिक हलकों में आम राय यह है कि यदि सचिन पायलट को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनाया गया, तो राजस्थान में कांग्रेस के लिए राजनीतिक हालात काफी मुश्किल हो सकते हैं।

## शिक्षक ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ताओं ने भर्ती की प्रथम उत्तर कुंजी पर आपत्ति जताई थी, जिस पर अंतिम उत्तर कुंजी में 11 प्रश्न डिलीट कर दिए थे। इसके अलावा कई उत्तर बदल दिए गए थे। याचिकाकर्ताओं की ओर से कई अन्य प्रश्नों पर भी आपत्ति दर्ज कराई गई थी, लेकिन उन पर विचार ही नहीं किया गया। बोर्ड की पुस्तक के अनुसारयाचिकाकर्ताओं के उत्तर सही हैं, लेकिन फिर भी चयन बोर्ड ने उन्हें सही नहीं किया। ऐसे में याचिका में हाईकोर्ट से आग्रह किया गया है कि याचिकाकर्ताओं को बोनस अंक देकर नियुक्ति दी जाए। इसके अलावा, कोर्ट का फैसला आने तक भर्ती के तहत होने वाली नियुक्तियों पर भी रोक लगाई जाए।

## करोड़ों एंड्रॉयड मोबाइल ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

और आसपास के लोगों को सूचना भेज देते हैं।''

इससे लोगों को कुछ सेकंड का चेतावनी समय मिल जाता है। आपात स्थिति में ये कुछ सेकंड भी बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। लोग खतरनाक इमारतों से दूर जा सकते हैं, जोखिम भरे काम रोक सकते हैं या किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंच सकते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि वेनेज़ुएला का यह अनुभव केवल भूकंप तक सीमित नहीं है।

एनवायरोकेयर फाउंडेशन के सह-संस्थापक ऋषित पंथरी ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि तकनीक किस तरह आपदा तैयारी को मजबूत बना सकती है और समुदायों की आपदा से उबरने की क्षमता बढ़ा सकती है।

उन्होंने कहा, ''हालांकि भूकंप की भविष्यवाणी करना संभव नहीं है, लेकिन तकनीक की मदद से उसे तुरंत पहचानना और लोगों तक जानकारी तेजी से पहुंचाना संभव है, जिससे चोटों और मौतों को कम किया जा सकता है।''

उन्होंने तर्क दिया कि जैसे-जैसे शहरों का विस्तार हो रहा है और इन्फ्रास्ट्रक्चर नैटवर्क आपस में जुड़ रहे हैं, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों (अर्ली वॉर्निंग सिस्टम) में निवेश और भी महत्वपूर्ण होता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन का व्यापक उपयोग आपात स्थितियों के दौरान नागरिकों तक महत्वपूर्ण सुरक्षा जानकारी सीधे पहुंचाने का एक शक्तिशाली माध्यम बन चुका है।

पंथरी ने यह भी कहा कि आपदा-प्रतिरोधक क्षमता को केवल जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। समुदायों को भूकंप, बाढ़, तूफान और अत्यधिक गर्मी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं के लिए तैयार रहना चाहिए।

वेनेज़ुएला की यह चेतावनी आपदा प्रबंधन में हो रहे एक बड़े बदलाव की ओर भी संकेत करती है।

अब केवल पारंपरिक निगरानी केन्द्रों पर निर्भर रहने के बजाय सरकारें और प्रौद्योगिकी कंपनियां जुड़े हुए उपकरणों, क्लाउड कंप्यूटिंग और रियल-टाइम डेटा नेटवर्क का उपयोग कर प्रतिक्रिया समय (रैस्पाँस टाइम) बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रही हैं।

सरकारों, वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए संदेश स्पष्ट है। कोई भी प्रणाली भूकंप को आने से नहीं रोक सकती, लेकिन जब हर सेकंड महत्वपूर्ण हो, तब टैक्नॉलजी लोगों को अमूल्य अतिरिक्त समय दे सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाएं अधिक और अधिक महंगी होती जा रही हैं। ऐसे में सुरक्षित और अधिक सक्षम समुदायों के निर्माण के लिए सार्वजनिक संस्थानों और प्रौद्योगिकी कंपनियों के बीच सहयोग बेहद आवश्यक होगा।

वेनेज़ुएला में लोगों के फोन ने भले ही केवल कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी हो, लेकिन कई लोगों के लिए यही कुछ सैकंड खतरे और जीवन-रक्षा के बीच का अंतर साबित हो सकते हैं।

## युद्ध विराम पर अमल होना शुरु, इज़रायल ने दक्षिण लेबनान से सैनिक हटाये

तेल अवीव, 25 जून। इज़रायल ने दक्षिणी लेबनान के कुछ हिस्सों से सैनिक हटाने शुरू कर दिए हैं। इज़रायली न्यूज़ वेबसाइट आई24 ने गुरुवार को एक अमेरिकी सूत्र के हवाले से बताया कि इज़रायल ने ''अच्छी नीयत'' दिखाते हुए दक्षिणी लेबनान के कुछ हिस्सों से सैनिक हटाने शुरू कर दिए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी लेबनान में तथाकथित बफ़र ज़ोन के जिन हिस्सों से इज़रायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने अपने सैनिक हटाए हैं, वहाँ लेबनानी सेना का कब्ज़ा हो जाएगा। खबरों के मुताबिक, एक इज़रायली अधिकारी ने कहा कि आईडीएफ दक्षिणी लेबनान में अपनी मौजूदगी बनाए रखेंगे।


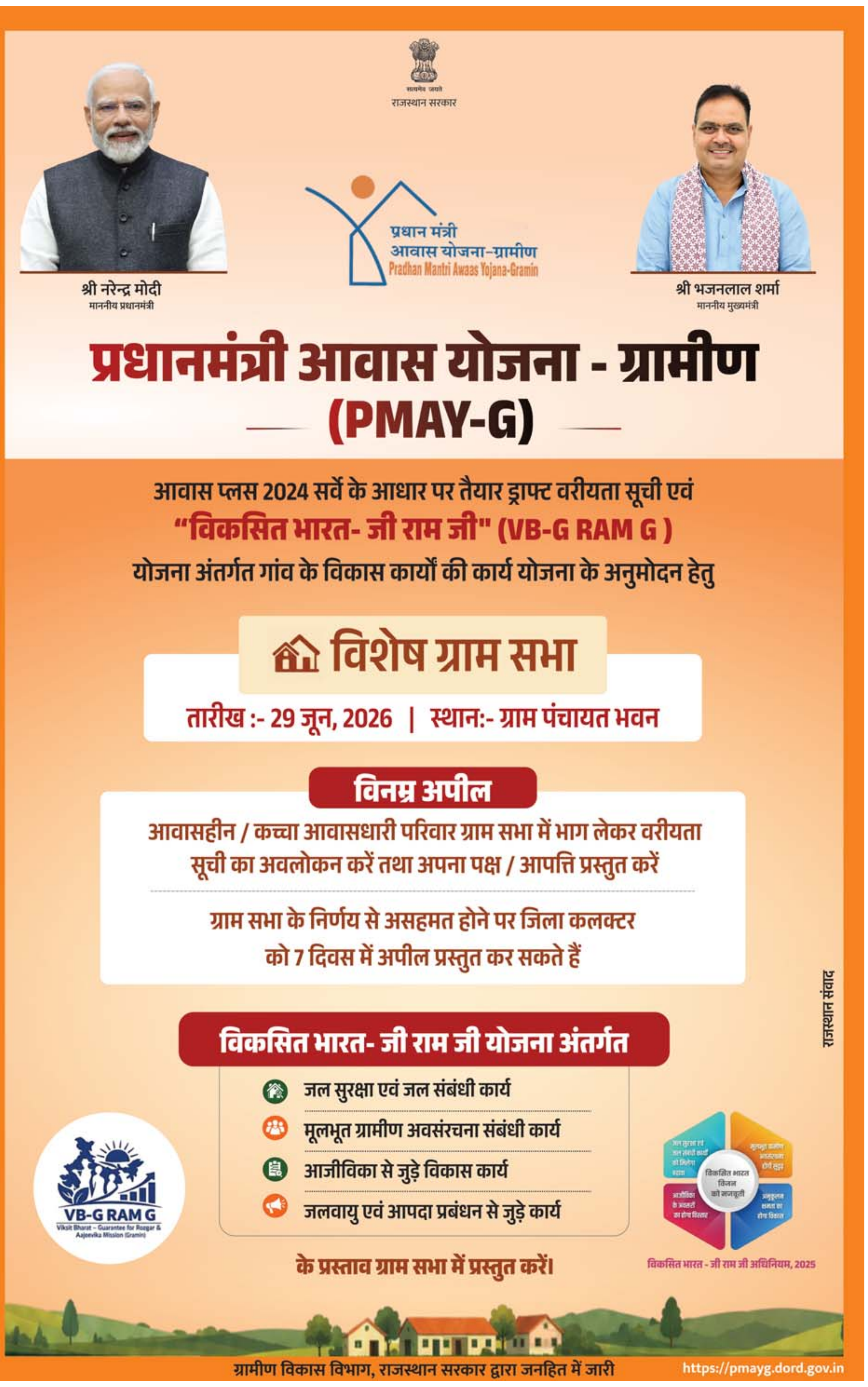



राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908